संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 300 गुरूवार 04 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में 12% और 28% टैक्स स्लैब हटाने की मंजूरी मिली

दावा- जीएसटी की नई दरें 5% और 18% लागू होंगी

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2025 (ए)। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग के पहले दिन 12% और 28% टैक्स स्लैब हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा स्ट्रक्चर को सरल करने के लिए दो स्लैब 5% और 18% ही लागू किए जाएंगे। इस दो दिन की मीटिंग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी जीएसटी दरों के प्रस्तावों और सुधारों पर चर्चा जारी है। 4 सितंबर को यह मीटिंग खत्म होगी। इसके बाद मीटिंग में लिए गए फैसलों का ऐलान किया जा सकता है।

कपड़े और जूते सस्ते होंगे

सूत्रों के मुताबिक, 2,500 रुपए तक के जूते और कपड़ों पर जीएसटी दर घटाकर 5% की जा सकती है, जिससे ये चीजें ग्राहकों के लिए सस्ती हो जाएंगी।

एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए जल्द रजिस्ट्रेशन

रिपोर्ट के मुताबिक अब माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज और स्टार्टअप्स के लिए जीएसटी रजिस्ट्रेशन में लगने वाला समय 30 दिन से घटाकर सिर्फ 3 दिन कर दिया गया है।

स्वास्थ्य बीमा और जीवन रक्षक दवाएं सस्ती होंगी

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी काउंसिल ने बीमा प्रीमियम की दरों में कटौती करने पर सहमति जताई है, जिससे स्वास्थ्य बीमा लेना सस्ता हो जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक दवाओं पर भी जीएसटी दरें कम होने की उम्मीद है।

निर्यातकों के लिए ऑटोमेटिक रिफंड

निर्यातकों को अब जीएसटी रिफंड ऑटोमेटिक मिलेगा। इस प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है, जिससे उनका काम आसान होगा।

लग्जरी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर टैक्स बढ़ेगा

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, 20 लाख रुपए से अधिक कीमत वाली लग्जरी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर जीएसटी दर 5% से बढ़कर 18% हो सकती है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है, तो टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टेस्ला और मर्सिडीज-बेंज जैसी कंपनियों के लिए यह एक चुनौती बन सकता है।

नई टैक्स दरें 22 सितंबर से लागू हो सकती हैं

केंद्र सरकार जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू कर सकती है। सरकार का मकसद नवरात्रि और फेस्टिव सीजन में कई सेक्टरों में डिमांड और सेल्स को बढ़ावा देना है।

पंजाब बाढ़ग्रस्त घोषित,सेना की मदद मांगी

सतलुज-घग्गर उफान पर,जालंधर-अमृतसर हाईवे धंसा

पंजाब,03 सितम्बर 2025 (ए)। पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश को आपदा प्रभावित घोषित करते हुए सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और स्कूल-कॉलेजों की छुट्टियां 7 सितंबर तक बढ़ा दी गई हैं। साथ ही सीएम भगवंत मान ने 5 सितंबर को कैबिनेट मीटिंग भी बुला ली है। सतलुज,घग्गर और रावी नदी के उफान से कपूरथला, जालंधर और पटियाला समेत कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। सुभानपुर-ढिलवां के पास जालंधर-अमृतसर हाईवे का एक हिस्सा धंस गया। जालंधर में सतलुज नदी के ओवरफ्लो से 30 गांवों में पानी घुस गया, जबकि बरनाला में मकान गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। कई प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीण खुद बांध मजबूत करने और बचाव कार्यों में जुटे हैं, वहीं प्रशासन, सेना और एनडीआरएफ राहत और रेस्क्यू में लगे हुए हैं। इस बीच, पटियाला, बरनाला, फाजिल्का और नवांशहर में जिला उपायुक्तों ने लोगों को अलर्ट जारी किया है और सेना की मदद भी मांगी गई है। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने आज सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बाढ़ पीड़ितों की सलामती की दुआ मांगी। वहीं,आप सांसद राघव चड्ढा ने सांसद निधि से 3.25 करोड़ रुपए जारी किए हैं। हालात का जायजा लेने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल गुरुवार (4 सितंबर) को पंजाब दौरे पर आ रहे हैं।

पीएम मोदी की मां को गाली के विरोध में आज बिहार में 5 घंटे बंद...

उज्जैन,03 सितम्बर 2025 (ए)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में उनके मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन को गाली दी गई थी। इसके विरोध में ND ने 4 सितंबर को बिहार बंद बुलाया है. सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद का ऐलान किया गया है. बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने इस बड़ा मुद्दा बनाकर बिहार बंद करने की घोषणा की। बिहार बंद के दौरान एनडीए की महिला विंग इसमें बड़ी भूमिका अदा करेगी क्योंकि उसी ने यह बंद बुलाया है। बंद को लेकर बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह सिर्फ मोदी की मां का नहीं बल्कि देश की हर मां का अपमान है। बंद में आम जनता को कम से कम असुविधा हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।

राज्यपाल का कानून बनाने में कोई रोल नहीं

बंगाल,तेलंगाना,हिमाचल की सुप्रीम कोर्ट में दलील राज्यपालों-राष्ट्रपति के लिए डेडलाइन से जुड़ा मामला

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। विधानसभा से पास बिलों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली राज्यों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सातवें दिन बुधवार को सुनवाई हुई। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और हिमाचल की सरकारों ने विधेयकों को रोककर रखने की विवेकाधिकार शक्ति का विरोध किया। राज्यों ने कहा कि कानून बनाना विधानसभा का काम है, इसमें राज्यपालों की कोई भूमिका नहीं है। वे केवल औपचारिक प्रमुख होते हैं। राज्यों ने कहा- केंद्र सरकार कोर्ट के डेडलाइन लागू करने के फैसले को चुनौती देकर संविधान की मूल भावना को कमजोर करना चाहती है। चीफ जस्टिस बीआर गवई,जस्टिस सूर्यकांत,जस्टिस विक्रम नाथ,जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि गवर्नर बिलों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी।

1100 करोड़ में बिका जवाहरलाल नेहरू का ऐतिहासिक बंगला

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। देश की राजधानी के सबसे पॉश और सुरक्षित इलाके लुटियंस दिल्ली में स्थित देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का ऐतिहासिक बंगला अब इतिहास बन चुका है। इस बंगले की बिक्री 1100 करोड़ रुपये में हुई है, जो अब तक की भारत की सबसे महंगी रियल एस्टेट डील मानी जा रही है। यह बंगला लुटियंस दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग पर स्थित है और लगभग 3.7 एकड़ (14,973 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल में फैला हुआ है। यह वही बंगला है, जहां जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने प्रारंभिक वर्षों में निवास किया था। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से यह संपत्ति बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

यूट्यूब पर झूठी-आपत्तिजनक बातें फैल रहीं,मानहानि कानून इन्हें रोकने के लिए काफी नहीं:कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु,03 सितम्बर 2025 (ए)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि आजकल यूट्यूब पर झूठी और आपत्तिजनक बातें इतनी आसानी से फैल रही हैं कि इन्हें रोकने के लिए मानहानि का कानून काफी नहीं है। अदालत ने कहा- लोग बेझिझक किसी को भी बदनाम कर रहे हैं और उनकी निजी जिंदगी में दखल दे रहे हैं, इस पर काबू पाने के लिए एक ठोस नीति बनाने की जरूरत है। कोर्ट कन्नड़ प्रभा के एडिटर-इन-चीफ रवि हेगडे की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उन्होंने मंत्री केजे जॉर्ज की ओर से दर्ज कराए गए मानहानि केस को रद्द करने की मांग की थी।

शाह ने 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले कोबरा के जवानों को किया सम्मानित

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण नहीं कर देते, या पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर दिया जाता। छत्तीसगढ़ के कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ,छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और कोबरा के जवानों को बधाई देते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार भारत को नक्सल मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

जवानों की बहादुरी की तारीफ की छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड : उन्होंने कहा, मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण नहीं कर देते, या पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते। शाह ने कहा कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के दौरान जवानों द्वारा दिखाई गई बहादुरी और पराक्रम को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरे के बावजूद, सुरक्षा बलों ने ऊंचे मनोबल के साथ अभियान चलाया और एक प्रमुख नक्सल बेस कैंप को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर नक्सल विरोधी अभियानों के कारण, पशुपतिनाथ से तिरुपति तक फैले इस क्षेत्र के 6.5 करोड़ लोगों के जीवन में एक नया सूर्योदय हुआ है।

नक्सलियों के सामग्री भंडार और सप्लाई चेन को कर दिया नष्ट

उन्होंने कहा कि कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर स्थापित नक्सलियों के सामग्री भंडार और सप्लाई चेन को छत्तीसगढ़ पुलिस,सीआरपीएफ,डीआरजी और कोबरा के जवानों ने बहादुरी से नष्ट कर दिया। गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलियों ने देश के कुछ सबसे कम विकसित क्षेत्रों को भारी नुकसान पहुंचाया है,स्कूलों,अस्पतालों को बाधित किया है और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में बाधा डाली है।

जर्मनी के साथ व्यापार सुगमता,बाजार पहुंच को मजबूत करने पर की बातचीत:गोयल

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यहां जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ विश्व व्यापार में बदलते परिदृश्य के बीच दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर बातचीत की। गोयल ने एक्स पोस्ट में बताया कि भारत और जर्मनी के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ एक बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान व्यापार सुगमता, नियामक ढांचे और बाजार पहुंच को मजबूत करने पर चर्चा की। गोयल ने बताया कि जर्मनी के विदेश मंत्री वाडेफुल के साथ भारत और जर्मनी के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक में हमने व्यापार सुगमता, नियामक ढांचे और बाजार पहुंच को मजबूत करने पर चर्चा की। वाडेफुल के साथ एक उपयोगी बैठक हुई। गोयल ने कहा, हमने रक्षा, अंतरिक्ष, नवाचार और ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा की,जिससे हमारी साझेदारी की अपार संभावनाओं पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि हमारी चर्चा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही, साथ ही साझा विकास और समृद्धि के लिए नवाचार, स्थिरता,प्रौद्योगिकी और पारस्परिक हित के अन्य क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर भी केंद्रित रही। जर्मनी के विदेश मंत्री वाडेफुल दो दिवसीय दौरे पर दो सितंबर को भारत पहुंचे थे।

सरकार निर्बाध शहरी संपर्क के लिए रिंग रोड,बाईपास के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है:गडकरी

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। भारत के बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने और शहरी गतिशीलता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जी ने बुधवार को नई दिल्ली में एक परामर्श कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस कार्यशाला में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा जी, हर्ष मल्होत्रा जी, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और नगर आयुक्त शामिल हुए। कार्यशाला में विश्वस्तरीय, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार परिवहन अवसंरचना के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें तेज़ी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में भीड़भाड़ कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यशाला में गणमान्य व्यक्तियों ने कई नवीन नीतिगत हस्तक्षेपों पर चर्चा की, जिनमें शहरी केंद्रों से यातायात को हटाने के लिए रिंग रोड और बाईपास का निर्माण शामिल है, जिससे शहरी राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़भाड़ कम हो सके।

मुख्य चर्चाओं में स्थायी वित्तपोषण सुनिश्चित करने के लिए मूल्य-प्राप्ति वित्तपोषण मॉडल अपनाने और निर्बाध एकीकरण के लिए बुनियादी ढांचे के विकास को शहर के मास्टर प्लान के साथ रेखांकित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इन उपायों से न केवल गतिशीलता में वृद्धि होगी बल्कि रिंग रोड और बाईपास के प्रभाव क्षेत्रों में नियोजित और विनियमित विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रपति ने तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को तमिलनाडु के तिरुवरूर स्थित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10 वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने और बौद्धिक जिज्ञासा एवं आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने वाले प्रेरक वातावरण के निर्माण के लिए विशेष बधाई का पात्र है। उन्होंने विश्वविद्यालय विस्तार शिक्षा के माध्यम से समाज के व्यापक वर्ग तक शिक्षा का लाभ पहुंचाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति ने कहा कि तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय सामुदायिक महाविद्यालय और डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र जैसी पहलों के माध्यम से हाशिए पर पड़े वर्गों के समग्र विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत विकास को सामाजिक विकास से जोड़ना शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा समाज के हित में होनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे मानवता की व्यापक भलाई, विशेष रूप से प्रकृति और पारिस्थितिकी को समृद्ध बनाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए उद्योग जगत के साथ सहयोग करें। आजीवन सीखने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि यह याद रखना ज़रूरी है कि हम जीवन भर विद्यार्थी ही है। उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी जीवन भर विद्यार्थी रहे और उन्होंने तमिल और बांग्ला जैसी भाषाओं को जाना, गीता जैसे धर्मग्रंथ का अध्यन किया साथ ही चप्पल बनाने और चरखा चलाने जैसे कौशल सीखे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व औद्योगिक क्रांति 4.0 कार्य संस्कृति को और बदल देंगे : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में, इंटरनेट क्रांति ने हमारी दुनिया को इस तरह बदल दिया है कि कई तरह के नए रोजगार के अवसर सामने आए हैं जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और औद्योगिक क्रांति 4.0, कार्य संस्कृति को और बदल देंगे। ऐसे गतिशील वातावरण में, जो लोग नए कौशल सीख सकते हैं और नए परिदृश्य के साथ अपने आप को अपडेट कर सकते हैं,वे परिवर्तन में अग्रेणी भूमिका के वाहक बनेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का घोषित मिशन एक मजबूत चरित्र का निर्माण और मूल्य-आधारित पारदर्शी कार्य नैतिकता का पोषण करना है।

संपादकीय

जनसांख्यकीय परिवर्तन साजिश

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यकीय परिवर्तन सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है, जो देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करता है। उन्होंने सीमाओं से तीस किलोमीटर के दायरे में सभी अतिक्रमण हटाए जाने की बात उठाई। समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर अतिक्रमण हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा भी की। दिल्ली में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीमावर्ती गांवों से पलायन रोकने,वहां के प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं का सौ फीसद लाभ देने और गांवों की सीमा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने को विकसित करने की चर्चा की। केंद्र सरकार द्वारा फरवरी, 2023 से शुरू की गई इस योजना के तहत उत्तरी सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश,सिक्किम, उत्तराखंड,हिमाचल और केंद्रशासित लद्दाख के उन्नीस जिलों के 46 प्रखंडों को व्यापक विकास के लिए लिया जा चुका है। इनमें से कुछ को भारत का अंतिम गांव कहा जाता है,जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रथम गांव की संज्ञा दी है। इस देशव्यापी विकास योजना के अंतर्गत सरकार यहां महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण,सड़क मागरे की कनेक्टिविटी,स्वच्छ पेयजल, बिजली,पर्यटन और स्वास्थ्य केंद्रों के सुधार पर काम कर रही है।बेशक,देश के सीमावर्ती गांवों की लंबे समय तक होती रही उपेक्षा के चलते स्थानीय ग्रामीणों को पलायन करना पड़ता था। रोजगार और शिक्षा,स्वास्थ तथा बेहतर जीवन यापन के लिए वे करीबी कस्बों या शहरों में जाकर बस जाते थे। देश में तकरीबन सवा छह लाख गांव हैं जिनमें से अधिकतर कृषि,पारंपरिक उत्पादों, संस्कृति,लोक गीतों-लोक नृत्यों के अलावा नदियों,झीलों और उपज के लिए प्रसिद्ध हैं। परंतु उचित शिक्षा, रोजगार,बिजली, पेयजल और इंटरनेट की कमी के चलते नौजवान वहां रहने को राजी नहीं होते। खासकर सीमावर्ती गांवों के इंफ्रास्ट्रक्चर,संस्कृति के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार निश्चित करने का प्रयास कर रही है। परंतु इन गांवों की सुरक्षा भी अहम मुद्दा है। ग्रामीण परिवार नौजवानों की सुरक्षा को लेकर भी कम आशंकित नहीं रहते। सरकारी दावों और धरातली हकीकत में कई दफा जमीन-आसमान का अंतर देखने में आता है जिससे सरकार को गंभीरतापूर्वक निपटने के प्रयासों को तेज करना आवश्यक है।सवाल सिर्फ सीमावर्ती गांवों का ही नहीं है। सामाजिक-आर्थिक बदलाव और आधुनिकीकरण के चलते नौजवानों का शहरों की तरफ हो रहा पलायन रोकना बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

उम्मीदों की चीप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

ललित गर्ग
पटपड़ांग दिल्ली-92

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ाते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान,दक्षिण कोरिया,जापान,चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादुई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है,ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि,इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं,लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमी कंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे विक्रम नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रो प्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है। अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। विक्रम माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने,मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही,नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा,भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं।

32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं,जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल,इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान पहले ही शक्ति और वेगा जैसे स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर पर काम कर चुके हैं। इन प्रयासों ने आधारभूमि तैयार की और आज विक्रम के रूप में वह प्रयास मूर्त रूप में सामने आया है। यह न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि रक्षा, चिकित्सा उपकरणों और संचार प्रणाली में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है। निश्चित ही चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन, उपकरण-समूह की उपलब्धता, संगणक-कार्यक्रमों का विकास, अनुप्रयोग-तंत्र का विस्तार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणन जैसी प्रक्रियाएँ अभी पूरी करनी होंगी। किंतु भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ इस दिशा में पहला कदम रखा है,वह आश्वस्त करता है कि भविष्य में हम और भी उन्नत सूक्ष्म-प्रक्रमक तैयार करने में सक्षम होंगे।

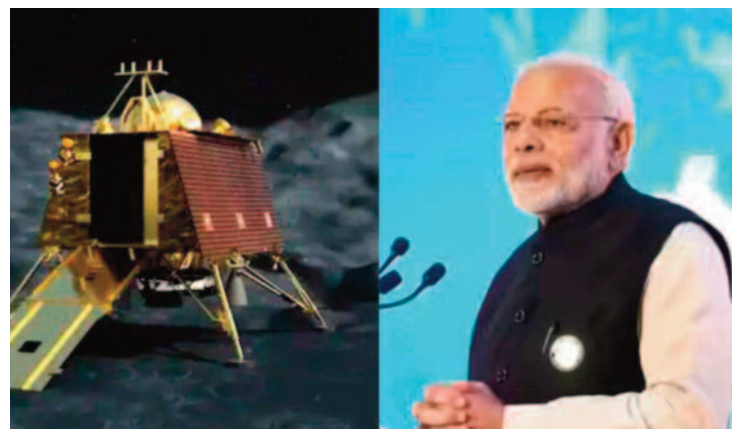

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जीवन दर्शन-सत्य का विराट,विहंगम स्वरूप

सत्य सदेव शाश्वत होता है...

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

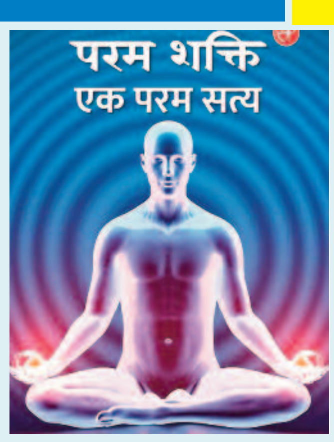

सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति अतुल्य बल प्रदान करती है

यह बात स्वामी विवेकानंद जी ने कही है। यह सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा,उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों,आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग,संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है,धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है,सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का सांच को आंच नहीं जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित सत्यमेव जयते आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मो से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है।

राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण है शिक्षकों की भूमिका

भावना संजीव ठाकुर
नजफगढ़,नई दिल्ली

प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को राष्ट्र निर्माता माने जाने वाले शिक्षकों को सम्मान देने के लिए देश में 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। दरअसल 5 सितम्बर भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस है, जो करीब चार दशकों तक एक आदर्श शिक्षक के रूप में भी अपनी सेवाएं देते रहे थे। उनके जन्मदिवस पर उनके आग्रह पर ही शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से इस दिन शिक्षक दिवस मनाया जाना शुरू हुआ था। 1962 में जब डा. राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने तो उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास पहुंचे लेकिन उन्होंने परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू हो गया। डा. राधाकृष्णन 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे और उन्होंने मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद मैसूर यूनिवर्सिटी,कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया तथा लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। वे एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे और उन्हें देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान 'भारत रत्न' सहित विश्व के कई बड़े सम्मान भी प्राप्त हुए।

शिक्षक दिवस हमारे देश में जहां हर साल 5 सितम्बर को मनाया जाता है, वहीं दुनिया के बहुत सारे देशों में यह अलग-अलग दिन और अलग-अलग उपलक्ष्य में मनाया जाता है जबकि करीब 100 देशों में यह दिवस 5 अक्तूबर को मनाया जाता है। वर्ष 1994 में यूनेस्को द्वारा अधिकारिक रूप से 5 अक्तूबर का दिन शिक्षक दिवस मनाने के लिए चुना गया था और तभी से अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता रहा है लेकिन इन 100 के करीब देशों के अलावा कई देश ऐसे भी हैं,जहां यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है। कहीं इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है तो कहीं रोज की भांति नियमित कामकाज होता है। चीन में कन्फ्यूशियस के जन्मदिन के अवसर पर 27 अगस्त 1939 को शिक्षक दिवस मनाना आरंभ किया गया था किन्तु 1951 में यह घोषणा वापस ले ली गई और 10 सितम्बर 1985 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। रूस में 1994 से 5 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है किन्तु 1965 से 1994 तक अक्तूबर माह के पहले रविवार को इस दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। ईरान में 2 मई 1980 को प्रोफेसर अयातुल्लाह मोर्तेजा मोतेहारी की हत्या के बाद उसी दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

मलेशिया में शिक्षक दिवस को 'हरि गुरू' के नाम से जाना जाता है, जो 16 मई को मनाया जाता है। वहां 16 मई 1956 को रजाक रिपोर्ट स्वीकृत हुई थी,जिसके आधार पर वहां शिक्षा प्रणाली का चयन हुआ था। इसी दिन को बाद में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। थाईलैंड में 1957 से ही प्रतिवर्ष 16 जनवरी को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस दिन वहां सभी स्कूलों में अवकाश रहता है। तुर्की में यह दिवस 24 नवम्बर को मनाया जाता है जबकि अमेरिका में यह 6 मई को मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में माह के पहले सप्ताह में सप्ताह भर तक आयोजन होते हैं। आस्ट्रेलिया में शिक्षक दिवस अक्तूबर माह के अंतिम शुक्रवार को मनाया जाता है जबकि अर्जेन्टीना में इस दिवस का आयोजन डोमिनो फास्टिनो सामिएटो की मृत्यु के दिन 11 सितम्बर को किया जाता है।

वियतनाम में 1958 में 20 नवम्बर को पहली बार यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों के घोषणा पत्र के रूप में मनाया गया था और 1982 में इसे पुनः नामांकित कर वियतनामी शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया। पेरू में 6 जुलाई 1953 को वहां के राष्ट्रपति मैनुएल ए आड्रिया ने एक अध्यादेश पारित कर इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया था जबकि पाकिस्तान में यह अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के दिन 5 अक्तूबर को ही मनाया जाता है। चिली में 16 अक्तूबर को शिक्षकों के कॉलेज की स्थापना हुई थी, उसी उपलक्ष्य में वहां 16 अक्तूबर 1977 से इसी दिन शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा जबकि ब्राजील में शिक्षक दिवस का आयोजन 15 अक्तूबर को किया जाता है। दरअसल 15 अक्तूबर 1827 को वहां पेड्रो ने प्राथमिक शिक्षा को नियंत्रित किया था लेकिन अधिकारिक रूप में 15 अक्तूबर को ही शिक्षक दिवस मनाने के लिए मान्यता 1963 में मिली थी। इस प्रकार देखा जाए तो शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए 'शिक्षक दिवस' तो दुनियाभर में मनाया जाता है लेकिन इसे मनाए जाने की तारीख विभिन्न देशों में अलग-अलग हैं।

प्रकृति की सुंदर,सरल,सजग रंगकृति तितलिया

प्रकृति की अद्भुत और अनुपम रंगकृति तितलियों के संरक्षण एवं सम्मान के लिए संपूर्ण विश्व में सितम्बर का महीना बिग बटरफ्लाई मंथ के रूप में मनाया जाता है। प्रकृति की गोद में बसी तितलियां यूं तो पूरे साल नजर आती हैं, पर इस महीने वे जैसे किसी उत्सव में शामिल होने निकल पड़ती हैं। नमी भरे मौसम में फूलों पर मंडराती ये रंगीन परियां हमें याद दिलाती हैं कि दुनिया में सुंदरता और संतुलन का रहस्य इन्हीं छोटे जीवों में छिपा है। तितलियां सिर्फ आंखों को भाने वाली नैसर्गिक सजावट नहीं हैं,वे पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं। उनके बिना खेत सूने हो जाएंगे,पेड़ बंजर रह जाएंगे और प्रकृति का परागण चक्र अधूरा रह जाएगा।

तितली फूल से फूल तक उड़ती है और परागण करती है। इस प्रक्रिया से पेड़ पौधों का जीवन चक्र आगे बढ़ता है और हमारी थाली में अनाज और फल-सब्जियां सज पाती हैं। दरअसल, तितली का पंख फड़फड़ाना प्राकृतिक फल चक्र से जुड़ा हुआ है। यही नहीं, किसी क्षेत्र में कितनी तितलियां हैं और कितनी प्रजातियां मौजूद हैं, इससे उस क्षेत्र के पर्यावरण की गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जाता है। तितलियां वहां के स्वास्थ्यमान की रिपोर्ट कार्ड होती हैं। पक्षी,छिपकली और कई छोटे जीव इन्हें भोजन बनाते हैं,ऐसे में खाद्य श्रृंखला चक्र में भी इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। अगर तितलियां कम हो जाएं तो जंगल का पूरा गणित गड़बड़ा जाएगा।

तितलियां कला और साहित्य की प्रेरणा भी हैं। कलाकार उनके रंगों से प्रेरित होकर चित्रकारी करते हैं, डिजाइनर उनके पंखों की नकल पर फैशन बनाते हैं और कवि उनकी उड़ान में सपनों की उड़ान खोजते हैं। बचपन में हाथ से पकड़ने की कोशिश हर किसी ने की होगी, पर तितली हमेशा फिसल कर उड़ जाती है। शायद यही उसका संदेश है कि सुंदरता को थामने की कोशिश मत करो,बस निहारो और सुरक्षित रखो।

लेकिन आज तितलियों पर खतरे मंडरा रहे हैं। जंगल उजड़ रहे हैं, शहर फैल रहे हैं,खेतों में कीटनाशक बिखर रहे हैं और प्रदूषण ने आसमान का रंग बदल दिया है। जलवायु परिवर्तन की मार से मौसम का संतुलन बिगड़ रहा है। इन सबका असर तितलियों के जीवन पर पड़ रहा है। तितली का जीवन चक्र चार चरणों में पूरा होता है । अंडा, लार्वा (इल्ली), प्यूपा और वयस्क तितली। मादा तितली पौधों की पत्तियों पर अंडे देती है, जो बाद में लार्वा में बदलते हैं और फिर प्यूपा अवस्था में रूपांतरित होकर एक पूर्ण तितली बन जाते हैं। हरियाली नष्ट होने से तितलियों का घर छिन रहा है, उनका भोजन घट रहा है और उनका प्रवास कठिन होता जा रहा है। तितलियों की कई दुर्लभ प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर आ गई हैं।

जरूरी है कि हम सब मिलकर तितलियों को बचाने के प्रयास करें। अपने घर के आंगन और बगीचों में ऐसे पौधे लगाएं जिन पर तितलियां आना पसंद करती हैं। कीटनाशकों का उपयोग कम करें,उसकी जगह जैविक उपाय अपनाएं। शहरों में हरियाली के छोटे-छोटे कॉरिडोर बचाए रखें, ताकि तितलियां वहां शरण पा सकें। बच्चों को इनके महत्व के बारे में बताना भी जरूरी है, ताकि नई पीढ़ी इन्हें सिर्फ चित्रों में न देखे बल्कि वास्तविक रूप में इनके बीच जी सके। सितंबर का यह महीना एक अवसर है जब हम सब मिलकर तितलियों का लेखा जोखा तैयार कर सकते हैं। तस्वीरें खींचकर साझा करने से वैज्ञानिकों को भी डेटा मिलता है और हमें भी अपने आसपास की तितलियों की पहचान करने का मौका मिलता है ।

तितली दरअसल प्रकृति का वह अध्याय है जो सजीव रंगों से लिखा गया है। उनके बिना यह धरती फीकी पड़ जाएगी। हमें यह समझना होगा कि तितली का संरक्षण केवल फूलों के साथ उसका खेल बचाने भर का काम नहीं है,बल्कि यह हमारे पर्यावरणीय संतुलन,खाद्य सुरक्षा और जीवन की निरंतरता से जुड़ा हुआ है। इस सितंबर का संकल्प यही होना चाहिए कि तितलियों को बचाना है, उनकी दुनिया को सुरक्षित रखना है। आखिर अगर तितलियां रहेंगी तो ही हमारे बगीचे महकेंगे, खेत लहलहाएंगे और धरती की मुस्कान कायम रहेगी।

क्या आपने अपने क्षेत्र में कोई खास तितली देखी है, जो आपको बार-बार लौटकर आती नजर आई हो? उसे पहचान कर, उसकी उपस्थिति का जश्न मनाना ही तितलियों की इस अद्भुत दुनिया का हिस्सा बनना है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

लुती बांध टूटने से मचा हाहाकार...

4 की मौत,3 लापता,सैकड़ों प्रभावित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में मंगलवार रात को हुई भीषण बारिश के चलते चार दशक पुराना लुती बांध टूट गया, जिससे विश्रामनगर और आसपास के गांवों में भारी तबाही मच गई। बांध टूटने से आई बाढ़ में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 3 अन्य अब भी लापता हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। घटना तातापानी पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम विश्रामनगर की है, जहां रात करीब 10 से 11 बजे के बीच बांध का लगभग 100 मीटर हिस्सा टूट गया। तेज बहाव के चलते निचले इलाके में बसे तीन घर पूरी तरह बह गए। मरने वालों में 26 वर्षीय रजंती,उसकी 55 वर्षीय सास बतशिया,30 वर्षीय गणेश और 6 वर्षीय प्रिया सजीवन शामिल हैं। तीन अन्य–एक महिला और दो बच्चे–अब भी लापता हैं।बाढ़ की चपेट में आए रामवृक्ष ने बहते हुए करीब 300 मीटर दूर एक पेड़ को पकड़ कर अपनी जान बचाई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उनके परिवार की बहू और तीन नाती-पोते अब भी लापता हैं। वहीं पास के गांव में रहने वाले कालीचरण टोप्पो के घर में रात को अचानक छह फीट तक पानी भर गया। पूरा परिवार किसी तरह तैरकर बच निकला। कालीचरण की पत्नी फूलमनी घर की दीवार गिरने से घायल हो गई, जबकि उनके परिवार की एक 7 माह की बच्ची को ऊपर उठाकर बचाया गया।

पशुधन और फसलों को भारी नुकसान : बांध टूटने से मवेशी और घरेलू पशु भी बह गए। जीतन पिता बंधारी की 40

और कालीचरण की 7 बकरियां बह गई, जबकि कई गौवंश खूंटे से बंधे होने के कारण डूब गए। इस हादसे में धान और टमाटर की फसलें भी पूरी तरह नष्ट हो गई।

पूर्व विधायक ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया

घटना के बाद पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने बांध टूटने के लिए जल संसाधन विभाग को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने पहले ही बांध की जर्जर हालत की सूचना विभाग को दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने इसे विभाग की गंभीर लापरवाही करार दिया।

1981 में बना था बांध,अब बना संकट

लुती बांध का निर्माण वर्ष 1981 में हुआ था और यह करीब 173 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करता था। मंगलवार शाम से ही बांध से पानी का रिसाव शुरू हो गया था। बताया जा रहा है कि बांध में करीब 500 मीटर क्षेत्र में दरार आ गई थी, जिसमें से 100 मीटर हिस्सा पूरी तरह टूट गया। यदि ऊपर की ओर का हिस्सा टूटता, तो और अधिक तबाही हो सकती थी क्योंकि वहां घनी आबादी है।

रातभर मची अफरा-तफरी प्रशासन मौके पर पहुंचा

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा और एसपी मौके पर पहुंचे। एनडीआरएफ की टीम के साथ पुलिस और राजस्व विभाग के अमले ने राहत कार्य शुरू किया। बांध के नीचे बसे गांवों के सैकड़ों लोग अब भी लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। कई घरों के प्रभावित लोगों को पंचायत भवन में शिफ्ट किया गया है।

बांध टूटने के बाद मछली पकड़ने में जुटे ग्रामीण

हैरत की बात यह रही कि बांध से पानी निकलने के बाद कुछ ग्रामीण पूरी रात मछली पकड़ने में लगे रहे, जबकि कुछ इलाकों में लोग राहत और बचाव कार्य में मदद कर रहे थे।लुती बांध हादसा एक बड़ी चेतावनी है कि जर्जर हो चुके पुराने बांधों की समय पर मरम्मत और निरीक्षण जरूरी है। अगर समय रहते प्रशासन हरकत में आता, तो शायद ये जानें बचाई जा सकती थीं। फिलहाल पूरा प्रशासन राहत कार्यों में लगा हुआ है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

महिला की हत्या के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने डेढ़ वर्ष बाद किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

महिला की हत्या के मामले में डेढ वर्ष से फरार आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला पति की मौत के बाद आरोपी के साथ रहती थी। 14 अप्रैल 24 को आरोपी महिला से रुपए मांग रहा था। नहीं देने पर मारपीट किया था। इससे महिला की मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार मृतिका सफीरा तिग्गा अपने पति की मृत्यु के बाद सोनू पंडित के साथ पीजी कॉलेज के सामने झोपड़ी में रहती थी। 13 अप्रैल 2024 को सोनू ने सफीरा से पैसे मांगे, न देने पर मारपीट की। इसके बाद सफीरा चोपड़ापारा सोमारी मानिकपुरी के पास चली गई। 14 अप्रैल को सोनू वहां पहुंचा और उसे वापस लाने की बात कहकर आकाशवाणी चौक के पास फिर से बुरी तरह मारपीट की। गंभीर चोट लगने पर सोनू उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराकर फरार हो गया। इलाज के दौरान 19 अप्रैल को सफीरा की मौत हो गई थी। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। थाना गांधीनगर में आरोपी सोनू पंडित उर्फ बृजेश उपाध्याय के खिलाफ धारा 302 के तहत मामला दर्ज था। डेढ़ वर्ष बाद पुलिस ने आरोपी को सत्तीपारा शीतलावार्ड से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

फतेहपुर,हरिहरपुर और घाटबर्रा में हाथियों का आतंक,वन विभाग सतर्क,ग्रामीणों में दहशत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर के समीपवर्ती गांवों फतेहपुर, हरिहरपुर और घाटबर्रा में हाथियों का आतंक लगातार गहराता जा रहा है। बीते कुछ हफ्तों से हाथियों के झुंड गांवों और खेतों में बेरोकटोक घुसकर भारी नुकसान पहुँचा रहे हैं। खेतों में खड़ी धान और मक्का की फसलें रौंदी जा रही हैं, जिससे किसान आर्थिक संकट में आ गए हैं। 2 सितंबर को हाथियों का एक दल नेशनल हाईवे 130 पर साल्ही और तारा के बीच सड़क पार कर रहा था, जिससे लगभग 30 मिनट तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को हाथियों के गुजरने का इंतजार करना पड़ा। यह दृश्य भयावह जरूर था, लेकिन क्षेत्र में वन्यजीवों के बढ़ते हस्तक्षेप की गंभीर चेतावनी भी है। ग्रामीणों का कहना है कि वे दिन-रात खेतों की रखवाली कर रहे हैं, बावजूद इसके फसलें सुरक्षित नहीं हैं। कई किसानों की पूरी फसल

नष्ट हो चुकी है। वन विभाग द्वारा हाथियों पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों में वन परिक्षेत्राधिकारी कमलेश राय, वनरक्षक अमरनाथ राजवाड़े, विष्णु सिंह, समर्पण लकड़ा, वाहन चालक नरेंद्र राजवाड़े सहित 'हाथी मित्र दल' के सदस्य शामिल हैं। विभाग की टीमें दिन-रात गश्त कर रही हैं और हाथियों की गतिविधियों की निगरानी हेतु लोकेशन ट्रैकिंग कर रही हैं।

हाथी-मानव संघर्ष से जानमाल की हानि

उदयपुर वन क्षेत्र में हाथी-मानव द्वंद्व कोई नई बात नहीं है। बीते कुछ वर्षों में अब तक आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण हाथियों के हमले में अपनी जान गंवा चुके हैं। वन विभाग बार-बार चेतावनी जारी करता है, लेकिन कई बार ग्रामीण विभागीय सलाहों को नजरअंदाज कर देते हैं,जिससे हादसे और जनहानि की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि हाथियों के रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने का एक बड़ा कारण परसा कोल खदान है।

जहां अब हाथियों का आवागमन अधिक देखा जा रहा है,वह क्षेत्र खदान के प्रभाव क्षेत्र में आता है। साल्ही, हरिहरपुर और फतेहपुर के ग्रामीण वर्ष 2018 से इस खदान का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि फर्जी ग्राम सभा प्रस्तावों के जरिए खनन की स्वीकृति दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि खदान के चलते न केवल पर्यावरणीय संकट बढ़ा है,बल्कि वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हुआ है। इससे हाथी जैसे जंगली जानवर गांवों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे स्थिति दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। वन विभाग जहां अपनी ओर से पूरी मुस्तैदी दिखा रहा है,वहीं ग्रामीणों को भी सतर्कता और सहयोग से इस संकट से निपटने की जरूरत है।

कंचनपुर व परसोढ़ी की टीम ने जीते मैच

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 में बुधवार को दो मैच खेला गया। प्रथम मैच फ्रेंड्स क्लब कंचनपुर विरुद्ध फुटबॉल क्लब कुन्नी के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीम एक-एक गोल से बराबरी पर रहा। दूसरे हाफ में दोनों टीम ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया परंतु गोल करने में सफलता नहीं मिली। इस तरह ट्राई बेकर का सहारा लेने पड़ा, ट्राई बेकर में कंचनपुर 4-3 से मैच जीत लिया। दूसरा मैच वीसी फुटबॉल क्लब सूरजपुर विरुद्ध फुटबॉल क्लब परसोढी के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में वीसी फुटबॉल क्लब सूरजपुर की ओर से राजू ने अपनी टीम के लिए एक गोल कर बढ़त बना दी। दूसरे हाफ में परसोढ़ी ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकेश और आकाश टोप्पो ने लगातार दो गोल कर अपनी टीम को 2-1 से बढ़त बना दिया। मैच के अंतिम समय तक परसोढ़ी की टिम 2-1 से विजेता बनी। दोनों मैच के रेफरी दिनेश तिर्की, आयुष कुमार,अंकुश कुमार,पुनीत रजवाड़े,अखिला नन्द, मंगल कुमार दीपक कुजूर रहे। प्रतियोगिता के तहत गुरुवार को भी दो मैच खेला जाएगा,प्रथम मैच एफसी कर्रा विरुद्ध यूनाइटेड क्लब अंबिकापुर और दूसरा मैच एफसी क्लब हर्राटिकरा विरुद्ध न्यू स्टार क्लब कोटया के मध्य खेला जाएगा।

पुलिस ने तीन लाख का फिरौती मामले में अपहरण कांड का मास्टर माइंड आरोपी उत्तरप्रदेश को चोपन से किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
बसंतपुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के बसंतपुर पुलिस ने अपहरण और फिरौती के मामले का पर्दाफाश करते हुए मास्टर माइंड आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने आरोपी को जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश के चोपन से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा। जानकारी के अनुसार ग्राम रजखेता निवासी बृजेश सिंह ने 08 अगस्त 2025 को थाना बसंतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई विजयलाल मरकाम दिनांक 6 अगस्त से घर नहीं लौटा है। 7 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे विजयलाल ने अपने मोबाइल से फोन किया, जिसके बाद अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर तीन लाख रुपये फिरौती की मांग की और धमकी दी कि रकम नहीं देने पर उसके भाई को जान से मार देंगे।रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 150/2025 धारा 140 (1),58,61,127 (7),3 (5) बीएनएस पंजीबद्ध कर जांच कार्यवाही में लेकर मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने अपहृत को उत्तर प्रदेश के बीजपुर इलाके के मोबाइल टावर पैनल रूम से सुरक्षित बरामद किया था। अपहरण कर्ताओं ने मुखबिरी के शक में अपहरण कर मांगी थी फिरौती। पुलिस जांच में यह बात सामने आया कि आरोपीयो ने लकड़ी तस्करी में मुखबिरी का आरोप लगाते हुए अपहृत से जबरन फिरौती वसूलने की योजना बनाई थी। आरोपी सद्दाम अंसारी (34), रोहित चौरसिया (26), तथा सतीष गुप्ता (39) को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपियों के पास से अपहरण में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार (यूपी 64 बीबी 0342) और मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

मास्टर माइंड आरोपी चोपन से हुआ गिरफ्तार

पुलिस ने मुख्य आरोपी अखिलेश उर्फ पंकज मिश्रा (36 वर्ष), पिता प्रेमनरेश मिश्रा, निवासी बीजपुर मार्केट थाना बिजपुर को फरार घोषित कर लगातार तलाश कर रही थी। पुलिस ने अथक प्रयास करते हुए उसे चोपन (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार कर पूछताछ की।पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अपहरण की योजना बनाई और उक्त घटना को अंजाम दिया था। आरोपी को धर दबोचने में शामिल रहे।चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धीरेन्द्र तिवारी, आरक्षक देवकुमार सिंह (आर.765) तथा आरक्षक गोपाल (आर.904) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अपहृत की जान बचाई जा सकी और अपहरणकर्ताओं को जेल भेजा गया।

अजय चतुर्वेदी स्मृति पुरस्कार 2025 के लिए चयनित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के शासकीय उमावि सरहरी के राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी पिता महेन्द्रनाथ चतुर्वेदी का चयन राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान डा. पदुमलाल पुन्नालाल बख्सी स्मृति पुरस्कार 2025 के लिए किया गया है। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित से सम्मानित किया जएगा। उन्हें 5 सितंबर को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रेमन डेका सम्मानित करेंगे। यह राज्य स्तरी सम्मान शिक्षा,साक्षरता, सत प्रतिशत परीक्षा परिणाम,राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने, सामाजिक कार्य, संस्कृति, योग व्यायाम, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम,शोध कार्य एवं साहित्य लेखन के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया जा रहा है। चतुर्वेदी सरगुजा संभाग के पहले व्याख्याता हैं जिन्हें स्मृति पुरस्कार मिल रहा है। अजय चतुर्वेदी को राज्यपाल द्वारा राज्य शिक्षक पुरस्कार 2010 प्राप्त हो चुका है। एवं शासन स्तर पर 13 व अशासकीय 12 पुरस्कार प्राप्त है। इनकी रचनाएं छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक में भी 2010-11 पढ़ाई जा रही है। चतुर्वेदी ने साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में राज्य स्तरी सम्मान पा कर सरगुजा संभाग को गौरवान्वित किया है।

नशीले इंजेक्शन के साथ तस्कर व सप्लायर गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

गांधीनगर पुलिस ने 2 सितंबर को नशीले इंजेक्शन के तस्कर व सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल को मुखबिर से जानकारी मिली की बनारस मार्ग स्थित डिगमा के पास बाइक क्रमांक सीजी 30 एफ 3359 का सवार युवक नशीले इंजेक्शन बिक्र करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस ने बाइक सवार की तलाशी ली तो उसके पास 58 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसकी कीमत 58 हजार रुपए बताई जा रही है।

पुलिस ने नशीले इंजेक्शन को जब्त कर आरोपी शुभम विश्वास पिता संजय विश्वास उम्र 23 वर्ष निवासी आरागाही रामानुजगंज हालमुकाम कमोदा बिहार के पास थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपी शुभम ने पुलिस को बताया की नशीले इंजेक्शन फारूख अंसारी निवासी रामानुजगंज से खरीदना बताया। इसके निशानदेही पर पुलिस ने फारुख अंसारी पिता स्व. अली हसन उम्र 33 वर्ष निवासी धोबीपारा वार्ड क्रमांक 8 थाना रामानुजगंज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

गणेश विसर्जन के दौरान जुलूस में जा घुसी बेकाबू कार,हादसे में 3 की मौत,30 घायल

-संवाददाता-
जशपुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के जशपुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां गणेश विसर्जन के दौरान एक तेज रफ्तार बोलेरो भीड़ के बीच घुस गई ने तीन लोगों को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। जबकि, दर्जनों लोग घायल हो गए। वहीं हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा जशपुर के चराईडांड बगीचा स्टेट हाइवे के पास मंगलवार रात करीब 10 बजे हुआ। यहां गणेश विसर्जन करने जा रहे जुलूस के दौरान एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर अचानक भीड़ में जा घुसी और कई लोगों को कुचलते हुए निकल गई। जिससे की इस हादसे में जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 30 लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि हादसे के बाद वहां चालक भागने की कोशिश कर रहा था। इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया गया जिसमें से कई की हालत गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया है। जबकि, तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतकों की पहचान 19 वर्षीय अरविंद करकेट्टा,17 वर्षीय विपिन और 32 वर्षीय खिरोवती के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ

आदि कर्मयोगी अभियान' अंतर्गत जिला मास्टर ट्रेनर्स (डीएमटी) विकासखंड मास्टर ट्रेनर्स (बीएमटी) को देंगे प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 2024-25' के तहत आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय प्रक्रिया प्रयोगशाला का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 3 से 5 सितम्बर तक होटल सिग्नेचर इन, न्यू बस स्टैंड, अम्बिकापुर में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान जिला मास्टर ट्रेनर्स (डीएमटी) द्वारा विकासखंड मास्टर ट्रेनर्स (बीएमटी) को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जलशक्ति, वन विभाग और अन्य विभागों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दक्ष बनाना है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने कहा कि 'आदि कर्मयोगी अभियान' जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। इस प्रशिक्षण से युवाओं और संस्थानों की क्षमता में वृद्धि होगी। सरगुजा जिला जनजाति बाहुल्य है, जिसमें विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा, पंडों और मांझवार समुदायों के व्यवहारिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। कलेक्टर ने कहा कि समुदाय की सक्रिय सहभागिता से शासन की योजनाएं अधिक पारदर्शी होंगी और उनका लाभ आमजन तक सुगमता से पहुंचेगा। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए निष्ठा और गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने ब्लॉक स्तर के प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाज और प्रशासन की साझेदारी को और मजबूत करेगा। इससे समुदाय अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति न केवल सजग होंगे, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसे क्षेत्रों में ठोस बदलाव भी देखने को मिलेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय युवा शासन की योजनाओं का रोडमैप तैयार करने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाएंगे। इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों से कुल 50 से अधिक मास्टर ट्रेनर्स शामिल हो रहे हैं। ट्राइफेड दिल्ली से जिला नोडल अधिकारी श्री करण कुमार, आदिवासी विकास विभाग के उपसंचालक श्री ललित शुक्ला जिला मास्टर ट्रेनर्स में आदिवासी विकास विभाग से श्री गिरधारी लाल बालेंद्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से श्री नवीन सोनी, महिला एवं बाल विकास विभाग से श्री बसंत मिंज, स्वास्थ्य विभाग से श्री गजेंद्र पैकरा, शिक्षा विभाग से श्री बी.बी. राम, जलशक्ति विभाग से श्री एम.के. गुप्ता तथा वन विभाग से श्रीमती जेनी ग्रेस मिंज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रसूता को झलगी पर ढोया गया सरकार के विकास दावों की खुली पोल

-शमरोज खान-
सूरजपुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बुधवार दोपहर 12 बजे सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत बड़सरा के आमाखोखा गांव से निकली तस्वीर ने जिले से लेकर राजधानी तक शासन-प्रशासन की पोल खोल दी। घटना इतनी भयावह और शर्मनाक है कि जिसने भी सुना,दंग रह गया. 25 वर्षीय मानकुंवर,प्रसव उपरांत महिला, को स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के लिए झलगी (खटिया) पर बैठाकर करीब एक किलोमीटर तक ढोया गया। वजह-गांव तक पहुंचने वाली सड़क जर्जर और दुर्गम है,जहाँ चार पहिया वाहन का पहुँचना नामुमकिन है। सुबह 7 बजे मानकुंवर ने घर पर ही बच्चा जन्मा जिससे परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाने की चुनौती सामने थी। जैसे ही महतारी एक्सप्रेस गांव के पास पहुंची, वह घर तक नहीं जा सकी। खराब सड़क ने गाड़ी को बीच रास्ते रोक दिया। मजबूर पति इंद्रदेव सिंह और पड़ोसियों ने झलगी का सहारा लिया और महिला को कंधों पर उठाकर तकलीफों से भरे रास्ते पर ले गए। यह दृश्य किसी को भी भीतर तक झकझोर सकता है। मातृत्व जैसी संवेदनशील स्थिति में महिला का दर्द और उससे जुड़ी विवशता ने मानवता को शर्मसार कर दिया। शासन-प्रशासन द्वारा किए जाने वाले विकास के तमाम दावे इस एक घटना के आगे खोखले साबित हो गए।

झूठे दावों की खुली पोल

प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन आए दिन मातृ-शिशु स्वास्थ्य योजनाओं की सफलता का गुणगान करते हैं। हर गांव तक सड़क और हर घर तक स्वास्थ्य सुविधा जैसे नारे प्रचारित होते हैं। लेकिन बड़सरा पंचायत के आमाखोखा गांव में घटी यह घटना सवाल पूछ रही है...जब प्रसूता तक को गाड़ी नहीं मिल पा रही, तो किस काम के ऐसे दावे और योजनाएं?

विटामिन और फ़ूड सप्लीमेंट खरीदें

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है. चुनाव के समय नेताओं ने कई बार वादा किया, लेकिन पूरा कोई नहीं हुआ। नतीजा यह है कि मरीज,प्रसूता और बुजुर्ग आज भी अपने जीवन का सफर झलगी पर तय करने को मजबूर हैं।

मौत का कुआं बनी सड़के

बरसात के दिनों में यह सड़क मौत का कुआं साबित होती है। कीचड़ और गड्ढों से भरी पगडंडीनुमा राह पर पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं। ऐसे में अगर कोई गंभीर मरीज या प्रसूता हो,तो उसकी जिंदगी सड़क की बदहाली पर टिकी रहती है मानकुंवर का मामला कोई पहली घटना नहीं है। गांववालों का कहना है कि समय-समय पर ऐसे हालात बनते हैं,लेकिन प्रशासन मौन है। नेताओं की चुप्पी और अधिकारियों की लापरवाही ने लोगों को बेबस कर दिया है।

नक्शा प्रोजेक्ट प्रशिक्षण का तृतीय दिवस संपन्न

जीआईएस तकनीक, सैटेलाइट सिस्टम, स्वामित्व योजना और शहरी सर्वे की बारीकियों पर विस्तृत जानकारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम अंबिकापुर में चल रहे नक्शा प्रोजेक्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज तीसरा दिवस रहा। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञों और मास्टर ट्रेनर्स ने प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीक, विधिक प्रावधानों तथा शहरी सर्वेक्षण की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के पहले सत्र में यशदा पुणे से आए विशेषज्ञ श्री एस. त्रिपाठी ने जीआई एस, एन आर टी के और जीआईएस स्पेशल टेक्नोलॉजी की उपयोगिता समझाई। उन्होंने बताया कि जीआईएस आधारित तकनीक शहरी भूमि अभिलेखन एवं नक्शा निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। इसके माध्यम से सटीक डेटा एकत्रित किया जा सकता है, जो हितग्राहियों और स्थानीय निकाय दोनों के लिए लाभकारी है। उन्होंने विश्व स्तर पर उपयोग हो रहे विभिन्न सैटेलाइट सिस्टम- रूस, चीन, यूरोप,भारत और जापानकृकी कार्यप्रणाली तथा कंटीन्यूअस ऑपरेटिंग रेफरेंस सिस्टम से रोवर की कनेक्शन की प्रक्रिया को भी समझाया। प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि रोवर और कोर्स के बीच किस प्रकार लिंक स्थापित कर डेटा इकट्ठा किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर श्री दीपचंद भारती ने स्वामित्व योजना और नक्शा प्रोजेक्ट की अवधारणा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत आबादी भूमि मे निवासरत परिवारों को अधिकार अभिलेख दिए जा रहे हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में नक्शा प्रोजेक्ट के माध्यम से हितग्राहियों को स्वामित्व प्रमाणित दस्तावेज प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह पहल न केवल पारदर्शिता लाएगी, बल्कि शहरी निकायों के लिए भी भूमि प्रबंधन और कर संग्रहण को व्यवस्थित बनाएगी। इसके अतिरिक्त,शासकीय भूमि की पहचान और अवैध कब्जों की रोकथाम में भी यह तकनीक अत्यंत कारगर होगी। स्टेट मास्टर ट्रेनर श्री भारती ने प्रशिक्षणार्थियों को फील्ड सर्वे की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ड्रोन से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाली इमेजरी को कैसे उपयोग किया जाए, रोवर एवं इटीएस मशीनों का किस प्रकार प्रयोग होगा, और शासकीय तथा निजी भूमि का सीमांकन किस क्रम में किया जाएगा। साथ ही, शहरी भूमि मे निवासरत परिवार को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया, हितग्राहियों से संवाद, भौतिक सत्यापन (फील्ड ट्रूथिंग), संभावित समस्याएं और उनके समाधान पर भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि सर्वे कार्य के दौरान पारदर्शिता और स्थानीय लोगो और जनप्रतिनिधियों का सहयोग व सहभागिता अनिवार्य है। दिन के दूसरे सत्र में मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की टीम ने नक्शा प्रोजेक्ट के लिए विकसित मोबाइल एवं डेस्कटॉप सॉफ्टवेयर का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। इस सॉफ्टवेयर में विभिन्न चरणों के अनुसार अलग-अलग आईडी और क्रेडेंशियल बनाए गए हैं। टीम ने समझाया कि इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कम समय में सटीक और पारदर्शी अधिकार अभिलेख तैयार किए जा सकते हैं। सॉफ्टवेयर के मुख्य फीचर्स, डेटा एंट्री प्रक्रिया, सत्यापन के चरण और रिपोर्ट तैयार करने की विधि का भी प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण के चौथे दिन सर्वे ऑफ इंडिया की टीम फील्ड में जाकर प्रतिभागियों को रोवर और एटीएस मशीनों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण देगी। मौके पर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया और ग्राउंड ट्रूथिंगके महत्व पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अनुसूचित जनजाति भूमि की सुरक्षा हेतु कलेक्टर सरगुजा ने दिए कड़े निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सरगुजा श्री विलास भोसकर ने अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में भूमि अंतरण से संबंधित मामलों में गंभीर अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सरगुजा जिला अनुसूचित जनजाति क्षेत्र घोषित है,इसके बावजूद गैर-आदिवासियों द्वारा बेनामी अंतरण कर अनुसूचित जनजाति की भूमि पर अवैध उपयोग एवं प्लाटिंग की जा रही है,जो छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 170 (ख) के विपरीत है। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (रा),तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वे पटवारियों से परिशिष्ट 'ई' में प्रतिवेदन प्राप्त कर अनुसूचित जनजातियों की भूमि को उनके मूल स्वामियों को लौटाने की कार्रवाई करें और हर माह प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसके अलावा उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि (जैसे पुनर्वास पट्टा, सिंहदेव पट्टा, वन अधिकार पत्र आदि) का विक्रय धारा 165 (7) (ख) के तहत कलेक्टर की अनुमति के बिना पूर्णतः शून्य और अवैध है। अतः जिला पंजीयक एवं उप-पंजीयक बिना अनुमति के ऐसे अनुबंध पत्र पंजीकृत न करें, अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी बताया कि ग्राम सुभाषनगर, भगवानपुर, तुर्रापानी, डिगमा, नेहरूनगर, चठिरमा और सरगवां में पुनर्वास मद की भूमि के बार-बार अपंजीकृत अनुबंध पत्रों से विक्रय की शिकायतें मिली हैं। इस पर तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी फौती नामांतरण या बंटवारे से पहले स्थल जांच अवश्य की जाए। साथ ही तहसील मैनपाट में तिब्बती शरणार्थियों को दी गई शासकीय भूमि की सतत निगरानी रखने, अवैध कब्जा या अपंजीकृत अनुबंध पत्र निष्पादन पर रोक लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं। ताकि अनुसूचित जनजातियों के हित संरक्षित रह सकें और उनकी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अंतरण न हो।

छत्तीसगढ़ महिला नेटबॉल टीम ने जीता कांस्य पदक

सरगुजा की खुशबू गुप्ता का शानदार प्रदर्शन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पलवल (हरियाणा) में 28 से 31 अगस्त तक आयोजित 4थी सीनियर राष्ट्रीय फास्ट फाइव नेटबॉल चेम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सेमीफाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ टीम को हरियाणा से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन तीसरे स्थान के लिए हुए निर्णायक मुकाबले में टीम ने राजस्थान को हराकर कांस्य पदक जीता। पदक वितरण हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम द्वारा किया गया। खुशबू पूर्व में भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर चुकी हैं। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव रजत सिंह ने खुशबू गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि से सरगुजा ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में नेटबॉल खेल को नई पहचान मिलेगी। वर्तमान में वह जी माउंट लिटर स्कूल में प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन्हें निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग मिलता रहा है। कांस्य पदक जीतने पर खुशबू को गौरव सिंह बिट्टू, सौरभ सिन्हा, के.पी. सिंह, निशांत सिंह गोल्डी, हिमांशु जायसवाल, प्रिया जायसवाल समेत नेटबॉल और सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ व जी माउंट लिटर परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

भूमि विवाद निराकरण के लिए. अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन ने आवेदन देकर कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन के बलरामुर जिला अध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया

-संवाददाता-
बलरामपुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन ने बलरामपुर जिले के ग्राम गाजर,तहसील वाड्रफनगर में उत्पन्न गंभीर भूमि विवादों के निराकरण हेतु जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष सुदामा राजवाड़े ने कलेक्टर के नाम दिए गए ज्ञापन में बताया है कि देवसाय पहाड़ी कोरवा सहित एक अन्य प्रार्थियों ने अपनी भूमि पर जबरन कब्जे और फर्जीवाड़े की शिकायत की है।

पहला मामला : प्रार्थी देवसाय पिता रागप्रसाद जाती कोरवा ग्राग गाजर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर रा. गंज. के द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उल्लेखित है कि उनकी निजी भूमि खसरा नंबर 433, रकबा 0.60 हेक्टेयर, जो कि रामसाय पिता रामप्रसाद, बाबूराम पिता रामप्रसाद एवं देवसाय पिता रामप्रसाद के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है।प्रार्थी का आरोप है कि उसी ग्राम के गोर्वधन यादव पिता भंवर यादय एवं उदय यादय पिता चंद्रमन यादव के द्वारा मिलीभगत कर फर्जी तरीके से एक अन्य व्यक्ति को फर्जी पटवारी बनाकर भूमि की नापजोख कराई गई तथा उसने विनेशर पिता मोती को गलत तरीके से भूमि आवंटित करना बताया गया है। उक्त को वर्तमान में विनेशर पिता मोती उक्त जमीन पर जबरन जुताई कर रहे हैं,जिससे प्रार्थी को अपने वैधानिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

दूसरा मामला : इसी प्रकार रामसाय, बाबूराम एवं देवसाय पिता रामप्रसाद ग्राम गाजर तहसील वाइफनगर जिला बलरामपुर की दूसरी भूमि खसरा नंबर 418, रकबा 0.70 हेक्टेयर पर बलराम यादव, जितेन्दर यादव, राजेश्वर यादव एवं सुरेश यादव द्वारा जबरदस्ती कब्जा किया गया है। प्राथियों को उक्त जमीन पर जाने से रोका जा रहा है एवं जान से मारने की धमकी दी जा रही है। मानवाधिकार फाउंडेशन द्वारा मौके पर की गई जांच में पाया गया कि खसरा नंबर 418, रकबा 0.70 हेक्टेयर वास्तव में प्रार्थीगण के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है।

फाउंडेशन की मांग : अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन के अध्यक्ष सुदामा राजवाड़े ने जिला प्रशासन से निवेदन किया है कि दोनों प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, एवं दोषी पाय जाने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो तथा पहाड़ी कोरवा समाज के प्रार्थियों को उनकी भूमि का वास्तविक कब्जा दिलाया जाए। इस संबंध में प्रार्थियों के आवेदन पत्र एवं भूमि संबंधी राजस्व अभिलेखों में दर्ज खसरा नंबर 418. रकबा.70 हेक्टेयर भूमि आवेदन में अंकित कर कलेक्टर के नाम दी गई हैं।

कार में सफर कर रहे व्यक्ति की गाड़ी में पथराव करने के मामले में 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार,2 मोटर साइकल जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दिनांक 10/08/25 के रात्रि में अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा रेलवे क्रासिंग उचंडीह के पास एक व्यक्ति जो अपने परिजनों के साथ बैकुण्ठपुर की ओर जा रहा था उसके कार का पीछा कर कार में पथराव कर कार का शीशा तोड़ दिए और कार में बैठे लोगों को चोटिल कर दिए जिसकी सूचना डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत सिंह ठाकुर को मिलने पर उन्होंने ऐसे असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मामले में प्रार्थी राजेंद्र सूर्यवंशी पिता रामचंद्र सूर्यवंशी उम्र 33 वर्ष निवासी जामपारा बैकुंठपुर जिला कोरिया ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 10/08/2025 को वह कार में परिजनों के साथ वाड्रफनगर से बैकुण्ठपुर जा रहा था कि रात्रि में उचंडीह रेलवे क्रासिंग के पास अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा मोटर सायकल से कार का पीछा कर कार में पथराव कर दिए जिससे कार का शीशा टूट गया और कार में बैठे लोगों के सर एवं हाथ में चोट लगा है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर चौकी बसदेई में धारा 296(इ), 115(2), 324(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ग्राम पंचायत डबरीपारा में भ्रष्टाचार और गबन की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में

डबरीपारा पंचायत में 15 वें वित्त की राशि के गबन की शिकायत

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/पटना,03 सितंबर 2025(घटती-घटना)। कोरिया जिले के कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में ग्राम पंचायत डबरीपारा के महिला और पुरुष बड़ी संख्या में पहुंचे और कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी गंभीर शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत के सरपंच, सचिव एवं सरपंच पति की मिली भगत से 15 वें वित्त मद की राशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में बिना किसी प्रस्ताव पारित किये फर्जी बिल, वाउचर, लगाकर राशि आहरित की गई है। शिकायत में बताया गया है की आंगनवाड़ी मरम्मत, शौचालय मरम्मत, हैंडपंप मरम्मत, नहानी मरम्मत, शाला में रनिंग वाटर मरम्मत, सड़क में मिट्टी मुरम भरने और थाली वितरण जैसे कार्यों के नाम पर लाखों रुपए खर्च दिखाकर गबन किया गया, जिसका भौतिक रूप से कोई प्रमाण नहीं है, और जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं कराया गया है। इतना ही नहीं पंचायत में टेबल कुर्सी और बर्तन खरीद में भी बड़े-बड़े बिल लगाकर शासकीय राशि दुरुपयोग करने की शिकायत दर्ज कराई गई है। ग्रामीणों ने यह आरोप लगाया है कि पंचायत सचिव प्रस्ताव पंजी, स्टाक पंजी और कैश बुक अपने घर पर रखते हैं, और वहीं बैठकर फर्जी प्रस्ताव तैयार कर राशि आहरण कर लेते हैं। प्रस्ताव पंजी में पंचों के हस्ताक्षर तक नहीं है, और ना ही ग्राम सभा में आय व्यय की जानकारी दी जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि यह सभी जानकारी उन्हें सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त हुई है, इसकी प्रति प्रमाण स्वरूप आवेदन के साथ संलग्न की गई है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि इस मामले की उच्च स्तरीय भौतिक जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में पंचायत स्तर पर इस तरह के भ्रष्टाचार की पुनरावृत्ति ना हो और शासकीय राशि का सदुपयोग ग्रामीणों की भलाई के लिए किया जा सके।

अधिकांश पंचायत में मूलभूत और वित्त की राशि का होता है दुरुपयोग

बैकुंठपुर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले अधिकांश ग्राम पंचायत का यही हाल है, जहां मूलभूत की राशि और 15वें वित्त की राशि का उपयोग ग्रामीण जनता और पंचायत के निर्माण कार्यों के लिए किया जाना चाहिए। वहां सरपंच और सचिव आपसी मिली भगत कर फर्जी प्रस्ताव और फर्जी बिल लगाकर राशि आहरण कर लेते हैं। जबकि जमीनी स्तर पर कोई कार्य होता नहीं है, अगर कोई कार्य होता भी है, तो कम कार्य का अधिक बल लगाकर फर्जी आहरण किया जाता है। मूलभूत की राशि से जहां ग्रामीणों के संसाधन की मरम्मत का प्रावधान है,वहां फाइल में फर्जी बिल लगाकर ऐशो आराम के लिए पूरा पैसा आहरण कर लिया जाता है। अधिकांश ग्राम पंचायत में सचिव द्वारा आय व्यय की जानकारी प्रस्तुत नहीं की जाती है, और प्रस्ताव भी मनमानी तरीके से तैयार किया जाता है, जो की पंचायत में पंचों के समक्ष नहीं होता। कार्यों के प्रस्ताव में और बिल आहरण में पंचों का केवल नाम लिख दिया जाता है,उनके हस्ताक्षर तक नहीं कराए जाते।

ग्रामीणों के सजग न रहने से सरपंच और सचिव करते हैं मनमानी

अधिकांश ग्राम पंचायत में ग्रामीणों के सजग न रहने और पंचों के निष्क्रिय रहने से सरपंच और सचिव के द्वारा मनमानी तरीके से फर्जीवाड़ा करने की घटना सामान्य बात है। यदि शासन द्वारा पंचायत में जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर मामले का पूरा ब्यौरा जाना जाए तो पंचायत में पदस्थ सचिवों की पूरी पोल खुल जाएगी। अधिकांश पंचायत में आदिवासी संवर्ग से आने वाले सरपंचों को पढ़े-लिखे सचिव मनमाने तरीके से चला रहे हैं।

ऑडिट में भी ले देकर चल जाता है काम, भौतिक सत्यापन होता नहीं

पंचायत के आय, व्यय और कार्य की सालाना ऑडिट में भी ले देकर के सारा कार्य संपन्न कर लिया जाता है,क्योंकि ऑडिटर तथा सत्यापनकर्ता अधिकारी द्वारा कोई भौतिक निरीक्षण किया नहीं जाता, जिसका लाभ पंचायत में पदस्थ सचिव और सरपंच उठाते हैं और भुगतना ग्रामीणों को पड़ता है।

पापा,मैं ठीक हो जाऊंगी ना ?...दिल की बीमारी से जूझ रही मासूम शांभवी गुरला का सवाल...

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भोपालपटनम से आए परिवार को दिया संपूर्ण इलाज का भरोसा

रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में होगा रियूमेटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) का इलाज

-संवाददाता-

एमसीबी/रायपुर,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। बीजापुर जिले भोपालपटनम ब्लॉक के वरदली गांव की 7वीं कक्षा में पढ़ने वाली 11 वर्षीय शांभवी गुरला की मासूम आंखों में एक ही सवाल था पापा, मुझे क्या हुआ है, मैं ठीक हो जाऊंगी ना? खेती-किसानी कर परिवार का गुजारा करने वाले उसके पिता इस सवाल पर अक्सर चुप हो जाते थे। तीन महीने पहले जिला अस्पताल बीजापुर में जब डॉक्टरों ने बताया कि शांभवी को रियूमेटिक हार्ट डिजीज है, तो पिता के पांव तले जमीन खिसक गई। डॉक्टरों ने रायपुर में इलाज कराने की बात कही,लेकिन परिवार को लगा कि रायपुर में इलाज में तो बहुत ज्यादा खर्च लगता होगा, ये सोच कर परिवार की उम्मीदें टूटने लगीं।

घर में हर रोज यही चर्चा होती...अब क्या होगा ? हम अपनी बेटी का इलाज कैसे कराएंगे ?

मां रोती और शांभवी को सीने से लगाकर कहती बेटा,सब ठीक होगा। लेकिन उसके पिता की आंखों में चिंता साफ झलकती थी। आखिरकार उन्होंने हिम्मत जुटाई और बेटी को लेकर सीधे स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के पास पहुंचे। स्वास्थ्य मंत्री ने बच्ची से मुलाकात की और तुरंत ही रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में डॉ. स्मित श्रीवास्तव से बात की। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज तुरंत शुरू किया जाए। खर्च की चिंता मत करें, सरकार पूरी जिम्मेदारी लेगी। स्वास्थ्य मंत्री की यह बात सुनते ही शांभवी की मां की आंखों से आंसू बह निकले। उन्होंने कांपती आवाज़ में कहा मंत्री जी,आप हमारी बेटी को नया जीवन दे रहे हैं। आप हमारे लिए किसी डॉक्टर से कम नहीं। स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर शांभवी को इलाज के लिए एसीआई रायपुर में लाया गया है। यहां डॉक्टरों की टीम उसकी जांच करेगी और उसका इलाज शुरू करेगी। गौरतलब है कि सरकार का यह कदम सिर्फ एक बच्ची के लिए नहीं, बल्कि राज्य के हर एक गरीब परिवार के लिए भरोसे का संदेश है। अब माता पिता के चेहरे पर खुशी के भाव देखकर आज शांभवी भी मुस्कुरा रही है और पिता से बार-बार पूछती है पापा, मैं जल्दी खेल पाऊंगी ना? और इस बार पिता की आंखों में आंसू नहीं,बल्कि उम्मीद की चमक है।

समाज सेवा जनहित एवं जीवन रक्षा के कार्य को अपना जीवन समर्पित कर देने वाले डॉ. मिश्रा बने नायक से हवलदार

सर्वोच्च सम्मान राष्ट्रपति पदक प्राप्त ट्रैफिक मैन डॉ.महेश मिश्रा को मिला आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

संभागीय सेनानी राजेश पाण्डेय पहुंचे कोरिया,भव्य सम्मान समारोह में पदोन्नति पत्र सौंपते हुए कहा की विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं महेश

-संवाददाता-

कोरिया,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। नगर सेना विभाग के संभागीय सेनानी राजेश पाण्डेय सोमवार को नगर सेना कार्यालय तलवा पारा बैकुंठपुर पहुंचे जहां उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री के हाथों स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक प्राप्त कर तन समर्पित,मन समर्पित यह जीवन समाज सेवा के नाम समर्पित वाक्य को चरितार्थ करने वाले ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर नायक डॉक्टर महेश मिश्रा को भव्य सम्मान समारोह आयोजित करते हुए नायक से हवलदार के पद पर पदोन्नति आदेश प्रदान करते हुए श्री मिश्रा को विलक्षण प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि हम सबको इन पर गर्व है,निश्चित रूप से ऐसे कर्मचारी जब आपके पास हो तो इससे विभाग का नाम रौशन के साथ ही आम जनमानस में सकारात्मक प्रभाव होता है।

गौरतलब है कि डॉ. मिश्रा विगत दो दशकों से निरंतर जन जागरूकता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए सैकड़ों जान बचाने का पुनीत कार्य कर रहे हैं जिसके फल स्वरूप उन्हें राष्टपति पदक प्राप्त हुआ है,जिससे आज पूरा छत्तीसगढ़ प्रदेश एवं कोरिया जिला अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है एवं राष्टपति पदक प्राप्त करने पर क्षेत्र के विधायक भईया लाल राजवाड़े, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे,पूर्व विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव के साथ ही जनप्रतिनिधि, मीडिया के पदाधिकारी व प्रतिनिधि प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी/कर्मचारी, गणमान्य जन के साथ ही इष्ट मित्र उनके निवास स्थान पर पहुंचकर निरंतर बधाई, शुभकामना एवं सम्मान भेंट कर रहे हैं। इतने व्यापक पैमाने पर लोगों का घर पहुंच कर सम्मान भेंट करना यह दिखाता है कि महेश ने किस कदर लोगों के दिलों पर अपनी जगह बनाई है। अब तो पूरे जिले में एक ही चर्चा है क्या अमीर, क्या गरीब महेश भाई सबके करीब।

नगरपालिका शिवपुर चरचा में पार्षद ने ही अध्यक्ष पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

ब्लीचिंग पाउडर गुणवत्ताविहीन,खरीदी की हो जांच,दोषियों पर की जाए कार्यवाही:प्रदीप तिवारी पार्षद

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के शिवपुर चरचा में एक पार्षद ने अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं और आरोप लगाते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार की जांच करते हुए दोषियों पर कार्यवाही की मांग की है,पार्षद प्रदीप तिवारी ने आरोप सोशल मीडिया पर एक बयान की तरह पोस्ट किया है और उन्होंने कहा है कि शिवपुर चरचा नगर पालिका में अध्यक्ष ने ब्लीचिंग पाउडर खरीदी में भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है और ब्लीचिंग पाउडर ऐसा खरीदा है उन्होंने जिसमें महक भी नहीं है,उन्होंने इसकी तुलना एसईसीएल

के चुने से करते हुए इसे उपयोग करने के अयोग्य बताया है।

बता दें कि शिवपुर चरचा के जिस पार्षद ने यह आरोप लगाया है वह पूर्व अध्यक्ष जो कांग्रेस की थीं के अविश्वास प्रस्ताव में पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जाकर मतदान कर चुके हैं और वह कांग्रेस की टिकट पर ही पार्षद थे,पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जाकर मतदान कर नगर से कांग्रेस की सरकार को हटाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी और इन्होंने ही इस मामले में सरकार गिराने के मुख्य भूमिका निभाई थी,सरकार गिराने के बाद यह भाजपा में शामिल हुए थे और भाजपा द्वारा मनोनीत अध्यक्ष को तब इन्होंने स्वीकार भी किया था। पार्षद प्रदीप तिवारी का अब का विरोध भाजपा के मनोनीत अध्यक्ष के खिलाफ है और वह अध्यक्ष पर आरोप लगाकर आरोपों की जांच और कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। शिवपुर चरचा में चुनी हुई सरकार को गिराकर पुनः मनोनीत सरकार बनते ही ऐसा लगा था कि नगर सरकार निर्विवाद कार्य करेगी और नगर सरकार का कार्य जनता सहित उन्हें पसंद आयेगा जिन्होंने चुनी सरकार को गिराया था लेकिन यह भ्रम जल्दी टूट गया और वही लोग विरोध में नजर आने लगे जिन्होंने चुनी सरकार को हटाया था। पार्षद प्रदीप तिवारी का आरोप साबित करता है कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार चरम पर है और इसे लेकर पानी सिर से ऊपर जाने लगा उन्हें खुद अपने निर्णय पर ही पछतावा होने लगा। नगर पालिका शिवपुर चरचा के वर्तमान अध्यक्ष एक तरह से मनोनीत हैं। भाजपा के लिए वैसे यह एक बुरी खबर है क्योंकि उनके अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार का आरोप आज भाजपा में शामिल उनके ही पार्षद लगा रहे हैं,भाजपा अध्यक्ष जो मनोनीत हैं और यदि ऐसे आरोपों से वह घिर गए तो आसन्न चुनाव में जो जल्द होगा भाजपा को नुकसान होना तय है।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई जिला-सरगुजा

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम - अनाया
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक - 26.07.2025
3. स्थान - सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी) अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)
4. शारीरिक बनावट एवं रंग - सांवला
5. उम्र / जन्मतिथि - 26.07.2025

उक्त बालिका को दिनांक 26.07.2025 से अस्थायी संरक्षण हेतु सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत्त दत्तक ग्रहण एजेंसी) अम्बिकापुर में रखा गया है।

सर्व संबंधित जो कि बालक के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला - सरगुजा अथवा सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत्त दत्तक ग्रहण एजेंसी) अम्बिकापुर में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी ।

दूरभाष क्र0-9165205598

जी नंबर-252603192/1

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)

CMYK

इंसानों से परहेज रखने वाले मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना को अब इंसानों की जिम्मेदारी से किया गया मुक्त

नगर पंचायत पटना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी हटाए गए...कलेक्टर कोरिया ने किया जिला कार्यालय में संलग्न

दैनिक घटती-घटना की खबर का हुआ असर...इंसानों से दूर भागते हैं अधिकारी शीर्षक की प्रकाशित खबर के बाद हुई कार्यवाही

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/पटना,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नवगठित नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी जिन्हें प्रथम अधिकारी नगर अधिकारी होने का गौरव प्राप्त था को नगर पटना की जिम्मेदारी से छुट्टी दे दी गई है और उन्हें इंसानों से दूर अब जिला कार्यालय में संलग्न कर दिया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी इंसानों से दूरी बनाकर चलते हैं उन्हें इंसानों में आम इंसान,जनप्रतिनिधि साथ ही उच्च अधिकारी पसंद नहीं उन्हें केवल ठेकेदारों से और सप्लायरों से ही मिलना पसंद है इस आशय की खबर दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित की थी और इस तरह की कई खबर प्रकाशित की थी जिसके बाद यह कार्यवाही कलेक्टर कोरिया ने की है जो कहीं न कहीं दैनिक घटती-घटना की ही खबरों का असर है।

अब नगर पंचायत पटना में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में जिले में हाल ही में स्थानांतरित होकर आए डिप्टी कलेक्टर अंशुल

घटती घटना | कोरिया-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 30 अगस्त 2025 | 5

पटना नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी शिकायतों की जांच से क्यों घबरा रहे हैं और कार्यालय छोड़कर क्यों भाग रहे हैं?

क्या जांच दल के सामने नहीं आने और बार बार जांच दल से भागने मामले में कलेक्टर कोरिया सीएमओ पर करेंगी अनुशासनात्मक कार्यवाही?

खबर का असर

वर्मा जिम्मेदारी निभाते नजर आयेंगे और वह अब नव गठित नगर पंचायत पटना के निवासियों,निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित अन्य को इंसान जैसा समझेंगे उनसे वह सीधा जुड़ाव स्थापित करेंगे ऐसा नगर के लोगों,जनप्रतिनिधियों सहित अन्य का विश्वास है,नगर से जिला कार्यालय संलग्न किए गए मुख्य नगरपालिका अधिकारी सिकंदर सिदार की कार्यप्रणाली से लोगों को मुक्ति मिली और यह दिन उत्सव स्वरूप लोगों ने मनाया ऐसी खबरें भी सामने आईं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिकंदर सीदार वैसे तो नवगठित नगर पंचायत पटना के पहले अधिकारी होने का गौरव प्राप्त अधिकारी थे लेकिन उन्होंने खुद को इतना विशेष बनाए रखा कि वह आम लोगों से दूर होते गए और आज ऐसा दिन उन्हें देखने को मिला जब जनता सीधे उनसे दूर खड़ी नजर आ रही है। पहले नगर पंचायत अधिकारी होने का गौरव वह भुना नहीं पाए और आरंभ से ही अपनी जेब भरने में लगे रहे जिसकी शिकायतें भी हुई और उन्हें हटना पड़ा और वह भी ऐसे जब उन्हें विदाई सम्मान भी नहीं मिलना है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी के हटाए जाते ही नगर में बटी मिठाई:सूत्र

मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना को तत्काल प्रभाव से जिला कार्यालय संलग्न किया गया है इस आशय की खबर जैसे ही सामने आई नगर में मिठाई बांटने की खबर सूत्रों ने बतलाई। मिठाई बांटने की खबर से ही समझा जा सकता है कि किस स्तर तक लोग एक अधिकारी से परेशान थे जिसके हटाए जाने की खुशियां मनाई जा रही है। बताया जाता है कि नगर में हर व्यक्ति उत्साहित है क्योंकि यह एक ऐसा अधिकारी था जो इंसानी आहट से ही दूर भाग जाया करता था।

शिकायत पर गठित जांचदल से भी दो बार भाग चुके थे मुख्य नगर पालिका अधिकारी

मुख्य नगरपालिका अधिकारी की स्वीक्षाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली की शिकायत कलेक्टर कोरिया से की गई थी,कलेक्टर कोरिया ने उक्त संबद्ध में जांच दल का गठन किया था। जांच दल दो बार जांच के लिए नगर पहुंचा था लेकिन बताया जाता है कि दोनों ही बार साहब पीछे के दरवाजे से भाग जाया करते थे। बताया जाता है कि इंसानी आहट का ध्यान रखने और उसकी सूचना देने के लिए उन्होंने एक सिपाही अपना तैनात किया हुआ था जो किसी भी आहट से अवगत कराया करता था और साहब पिछले दरवाजे से भाग जाया करते थे।

जांच हुई तो बहुत बड़े भ्रष्टाचार से उठेगा पर्दा

मुख्य नगरपालिका अधिकारी या प्रथम नगर पालिका अधिकारी पटना के अब तक के कार्यकाल की यदि जांच पटना सम्बंध में की जाए तो यह तय है कि बहुत बड़े भ्रष्टाचार से पर्दा उठ जाएगा। नगर में पदस्थ होते ही साहब ने केवल अपनी जेब गर्म की और कभी अलाव जलाया कभी टेंट पंडाल लगाया कभी मंत्री विधायक के नाम से पैसा निकाला ऐसे कई मामले उजागर होंगे जो बहुत बड़े भ्रष्टाचार को सामने लाने कारगर होंगे।

दैनिक घटती-घटना की खबर का ही है यह असर,कलेक्टर कोरिया ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना को किया कार्यालय संलग्न

दैनिक घटती-घटना ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना सिकंदर सिदार की दोषपूर्ण और स्वार्थ पूर्ण कार्यप्रणाली को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित की थी,खबरों में यह बताया गया था कि कैसे एक अधिकारी जनता से जनप्रतिनिधियों से परहेज रखता है जबकि वह जनता से सीधा जुड़ाव वाले पद पर आसीन है,जनप्रतिनिधियों का अपमान भ्रष्टाचार जैसी अनगिनत शिकायतों के आधार पर यह खबरें प्रकाशित की गईं थी,खबरों के प्रकाशन का असर देखने को भी मिला और एक ऐसे अधिकारी को तत्काल जिला कार्यालय संलग्न किया गया जिसे इंसानों से ही परेशानी थी। नगर पंचायत पटना के निर्वाचित सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों की बात हो या विपक्ष के पार्षदों की बात हो सभी सिकंदर सिदार से परेशान थे और उसके हटाए जाने से सभी ने राहत की सांस ली है।

सामूहिक कन्या विवाह योजना में 21 लाख की वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत, पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने सामूहिक कन्या विवाह योजना में भारी वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य सचिव, सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग तथा कलेक्टर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को शिकायत पत्र प्रेषित किया है। पूर्व विधायक ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि वर्ष 2024-25 में आयोजित सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम में लगभग 21 लाख रुपये की राशि का नियम विरुद्ध व्यय किया गया। इस दौरान तत्कालीन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शुभम बंसल पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि बंसल ने चयन समिति की स्वीकृति के बिना सामग्री खरीदी और सीधे भुगतान किया।

मुख्य आरोप

एक ही स्थान पर आयोजित विवाह कार्यक्रम में टेंट और कैटरिंग के नाम पर अलग-अलग परियोजनाओं से लाखों रुपये का भुगतान, कैटरिंग और टेंट सप्लायर को बिना जीएसटी नंबर और संदिग्ध बिलों के आधार पर भुगतान,एक ही फर्म को तीन अलग-अलग परियोजनाओं के नाम पर चेक जारी कर भुगतान, कैटरिंग बिल में 500ङ्ग600 उपस्थित लोगों के बजाय लगभग 2000 लोगों का खर्च दर्शाया गया, स्थानीय स्तर पर सामग्री उपलब्ध होने के बावजूद सूरजपुर और सरगुजा जिले से फर्मों को काम सौंपा गया।

संदिग्ध भुगतान विवरण

शुभ्रा केटर्स को लगभग 5.5 लाख रुपये का भुगतान, वेलकम टेंट हाउस नागपुर को 4.41 लाख रुपये का भुगतान, जेडीबिज सर्विस प्रा. लि. को श्रृंगार सामग्री हेतु 7.17 लाख रुपये का भुगतान, कई अन्य फर्मों को भी बिना कोटेशन व चयन समिति की स्वीकृति के लाखों रुपये की राशि दी गई, शिकायत पत्र में उल्लेख है कि यह समूचा कार्यक्रम जिला अधिकारी के मौखिक आदेश पर हुआ, लेकिन नियमानुसार चयन समिति से न तो स्वीकृति ली गई और न ही सामग्री का सत्यापन कराया गया। पूर्व विधायक के अनुसार तत्कालीन जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने पद का दुरुपयोग कर शासकीय राशि का दुरुपयोग किया है।

पूर्व विधायक की मांग...

गुलाब कमरों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई हो।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही:आरोपियों से 125 किलो से अधिक गांजा बरामद

-संवाददाता-

बलरामपुर,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कोतवाली पुलिस के द्वारा अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 125.51 किलोग्राम गांजा बरामद किया है जिसकी अनुमानित कीमत 6 लाख 25 हजार रुपये आँकी गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

जानकारी के अनुसार 26 अगस्त को सूचना मिली कि दलधोवा घाट में एक ट्रैक्टर दुर्घटनाग्रस्त होकर नाले में गिर गया है, जिसमें भारी मात्रा में गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था। मौके पर पहुँची पुलिस ने

देखा कि ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे वेल्डिंग कर तैयार किए गए गुप्त चेंबर से गांजा भरा हुआ था। दुर्घटना के बाद कई पैकेट नाले और आसपास बिखरे पड़े थे। पुलिस ने मौके से 89 पैकेट बरामद किए जिनका वजन कुल 125.51 किलो पाया गया। ट्रैक्टर (कीमत लगभग 7 लाख) को भी जब्त किया गया।आरोपी पर अपराध क्रमांक 114/2025,धारा 20(ख) (ग) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

घटनास्थल से घायल हालत में मिला आरोपी अनुज कुमार पिता पारस पासवान (25 वर्ष), निवासी ग्राम आदमापुर, थाना सासाराम, जिला रोहतास (बिहार) को पहले इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य सुधार के बाद 2 सितंबर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

-सवाददाता-

एमसीबी,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश में जनजातीय परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और संवेदनशील एवं जवाबदेह प्रशासन स्थापित करने के उद्देश्य से आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस की दिशा में पहल-यह प्रशिक्षण 02 से 04 सितम्बर 2025 तक चलेगा। कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं अपर कलेक्टर के मार्गदर्शन में, आदिवासी विकास विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में भारत सरकार से नामित जिला प्रभारी अधिकारी श्री प्रमोद कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।151 जनजातीय ग्रामों का चयन, 25 योजनाओं का लाभ - सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग सुश्री अंकिता मरकाम ने बताया कि जिले के 151 जनजाति बहुल ग्रामों का चयन किया गया है। इन ग्रामों में शासन की 25 योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए पहले जिला एवं ब्लॉक स्तर के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके उपरांत ग्राम स्तर पर स्वयंसेवकों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक चयनित ग्राम में आदि सेवा केंद्र स्थापित होंगे, जो ग्रामीणों तक योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुँचाने का प्रमुख माध्यम बनेंगे।

यह मात्र कार्यक्रम नहीं, जनजातीय सशक्तिकरण का आंदोलन-प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी अधिकारी श्री प्रमोद कुमार ने कहा आदि कर्मयोगी अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह जनजातीय परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। प्रशासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाना ही इसका उद्देश्य है। जनता का विश्वास बनाए रखना और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही वास्तविक कर्मयोग है।

श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित होंगे रंजय सिंह

-संवाददाता-

सूरजपुर,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

शासन द्वारा 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान विकासखंड से लेकर के राज्य तक किया जाता है, इस वर्ष का राज्यपाल पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्रिएटिव शिक्षक रंजय सिंह को राज्यपाल पुरस्कार राज भवन रायपुर में राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री के द्वारा प्रदान किया जाएगा ।

रंजय सिंह के द्वारा सहायक शिक्षक के रूप में प्राथमिक शाला सारसताल सोनगरा में एवं प्रधान पाठक के पद पर प्राथमिक शाला सड़कपारा तुलसी में अपनी सेवाएं दी गई हैं ,इनके द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देते हुए संस्कार युक्त शिक्षण देने का कार्य किया जाता रहा है जिसका ग्रामीण सहित बच्चों ने समय-समय पर खुशी एवं प्रशंसा व्यक्त की है। रंजय सिंह के द्वारा जो विभिन्न काम किए गए हैं उनमें श्रेष्ठ कार्य स्थानीय गीत कविता में अध्यापन कराना,खेल-खेल में बच्चों को सीखने का अवसर देना ,बच्चों का स्मरण शक्ति एवं बोलने का विकास हेतु प्रतिदिन प्रार्थना सभा में सामान्य ज्ञान करना के साथ ही वृहद कीचड़ गार्डन विकसित करना ,बच्चों का पहनावा टाई बेल्ट के साथ बच्चों के रहन-सहन का बदलाव करना है। ऐसे बच्चे जो विद्यालय में कम उपस्थित रहते हैं उन बच्चों के लिए रोचक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण कर सभी बच्चों को शाला से जोड़ना इनका प्रमुख लक्ष्य रहा है कोई बच्चा यदि दो दिवस से ज्यादा बिना बताए अनुपस्थित रहता है तो रंजय सिंह घर तक बच्चों के जा करके उनको विद्यालय में लाने का कार्य करते रहे हैं। इन्हें विकास खण्ड स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान,जिला स्तर पर शिक्षा दूत सम्मान के साथ-साथ अन्य कई सम्मान भी समय-समय पर शिक्षा विभाग के द्वारा दिए गए हैं इन्होंने शासन से पूर्व में प्राप्त पुरस्कार की राशि का उपयोग अपने बच्चों को स्टेशनरी एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने में किया है ।

भाजपा ने घोषित किए सेवा पखवाड़ा के संयोजक-सहसंयोजक

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,03 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी

जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ०ग०)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के निर्देश पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती चम्पादेवी पावले ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के लिए जिला एवं मंडल स्तर पर संयोजक और सहसंयोजकों की नियुक्ति की है। जिला स्तर पर संयोजक द्वारिका जायसवाल,सह संयोजक श्रीमती प्रवीण सिंह,पवन शुक्ला,श्रीमती सोनमती उर्रे एवं रामचरित द्विवेदी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, इसी क्रम में मंडल स्तर पर भी जिम्मेदारी दी गई है, मनेन्द्रगढ़ मंडल संयोजक आलोक जायसवाल,सह संयोजक विवेक अग्रवाल,जयंतीलाल यादव,हसदेव मंडल संयोजक विनोद गुप्ता,सह संयोजक धीरेन्द्र विश्वकर्मा, सुनील मिश्रा,चिरमिरी मंडल संयोजक रीत जैन,सह संयोजक अनिश यादव व संजय जैन दायित्व का निर्वहन करेंगे. इसी क्रम में खड़गवां मंडल संयोजक पवन सिंह नेटी,सह संयोजक प्रेमनारायण सिंह,नरेन्द्र सिंह, नागपुर मंडल संयोजक धनेश यादव,सह संयोजक रजबल सिंह,राहुल जायसवाल व केल्हारी मंडल में संयोजक परमानन्द यादव,सह संयोजक दृगपाल सिंह, रामनाथ तिवारी आयोजन की रूप रेखा निर्धारित करेंगे, जनकपुर मंडल में संयोजक मणि प्रसाद पाण्डेय,सह संयोजक राकेश बर्मन,अंकित तिवारी,कुवांरपुर मंडल संयोजक हीरालाल मौर्य,सह संयोजक राम आश्रय पाण्डेय, रोहित वर्मा व कोटाडोल मंडल में संयोजक राजा राम दास, सह संयोजक रामसकल सिंह,मुक्तिनारायण यादव आयोजन के सफल संचालन की जिम्मेदारी उठाएंगे, सेवा पखवाड़ा के दौरान जिलेभर में सेवा, संगठन और समाजहित के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

CMYK

आईसीसी रैंकिंग:39 वर्षीय सिकंदर रजा वनडे में नंबर-1 ऑलराउंडर बने

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की, जिसमें जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के सिकंदर रजा को फायदा पहुंचा है। वनडे प्रारूप में रजा अब शीर्ष रैंकिंग वाले ऑलराउंडर बने हैं। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट टीम के विरुद्ध वनडे मैचों में उम्दा प्रदर्शन किया था। बता दें कि रजा ने रैंकिंग में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद नबी को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया है।

रजा ने श्रीलंका के खिलाफ किया उम्दा प्रदर्शन

39 वर्षीय रजा ने श्रीलंका के खिलाफ पिछले 2 वनडे मैचों में क्रमशः 59* रन और 92 रन के स्कोर किए थे। उनके अब 302 रेटिंग अंक हो गए हैं। यह उनकी अब तक के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक हैं। अफगान टीम के उमरजई अब 296 रेटिंग अंको के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नबी के 292 रेटिंग अंक हैं और वह फिलहाल तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के इन खिलाड़ियों को हुआ फायदा

श्रीलंका के पथुम निसांका को बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 122 और 76 रन की पारी खेली थी, जिसकी बदौलत वह 7 स्थान ऊपर चढ़कर 13वें (654 अंक) पायदान पर पहुंच गए। जनित लियानागे 13 स्थान ऊपर चढ़कर 29वें पायदान पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ गेंदबाजी रैंकिंग में असिथा फर्नांडो (6 स्थान ऊपर चढ़कर 31वें पायदान पर) और दिलशान मदुशंका (8 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें पायदान पर) पहुंच गए हैं।

टी-20 रैंकिंग में हुए ये कुछ प्रमुख बदलाव

अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान ने त्रिकोणीय टी-20 सीरीज में 63 और 65 रनों की पारी खेली थी। वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 12 स्थान के उल्लेखनीय सुधार के साथ अब 20वें पायदान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के सूफियान मुकीम गेंदबाजी रैंकिंग में 11 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें पायदान पर पहुंच गए। उन्होंने त्रिकोणीय सीरीज के अपने पहले मैच में अफगान टीम के खिलाफ 2 विकेट अपने नाम किए थे।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में भी रजा को हुआ फायदा

रजा बल्लेबाजी रैंकिंग में 9 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंचा गए हैं। दूसरी तरफ गेंदबाजों की रैंकिंग में भी वह एक स्थान ऊपर चढ़कर 38वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

कोहली ने लंदन में पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। विराट कोहली ने लंदन में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों की निगरानी में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। कोहली ने बीसीसीआई से लंदन में फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति मांगी थी। यह टेस्ट बीसीसीआई के फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच की देखरेख में हुआ। विराट से पहले 38 साल के रोहित शर्मा ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास किए थे। रोहित ने वनडे कप्तान ने यो-यो के साथ ब्रोंको टेस्ट भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

रोहित-बुमराह भी फिटनेस टेस्ट पास कर चुके हैं...

बेंगलुरु में आयोजित प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट में भारत के एशिया कप खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उप-कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर और शार्दूल ठाकुर ने भी अपने फिटनेस टेस्ट पास किए।

विराट के लंदन में फिटनेस टेस्ट देने पर सवाल

विराट कोहली के बेंगलुरु की बजाय लंदन में फिटनेस टेस्ट देने पर सवाल उठ रहे हैं। भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ी 29 अगस्त को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपने फिटनेस टेस्ट के लिए मौजूद थे।

लंदन में परिवार संग विराट

विराट कोहली इस समय अपने परिवार के साथ इंग्लैंड में रह रहे हैं और वहीं अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे पहले, 2024 टी-20 विश्व कप फाइनल के बाद उन्होंने रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा के साथ टी-20 फॉर्मेट से भी संन्यास ले लिया था। वर्तमान में विराट केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। वे अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा हो सकते हैं। बीसीसीआई ने सितंबर में फिटनेस टेस्ट का दूसरा चरण निर्धारित किया है, जिसमें के.एल. राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और नीतीश रेड्डी जैसे खिलाड़ियों की फिटनेस की जांच होगी।

बेंगलुरु भगदड़ आरसीबी इतिहास का सबसे दुखद दिन,खुशी का मौका ट्रैजडी में बदल गया:कोहली

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली ने 4 जून को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर विक्ट्री परेड के दौरान हुई भगदड़ को अपनी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे दुखद दिन बताया। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई प्रशंसक घायल हुए थे। यह घटना उस समय हुई, जब आरसीबी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने का जश्न मना रही थी। आरसीबी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कोहली के हवाले से कहा गया,जीवन में कुछ भी आपको 4 जून जैसे दिल तोड़ने वाले पल के लिए तैयार नहीं करता। यह हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, लेकिन यह एक त्रासदी में बदल गया। कोहली ने आगे कहा, मैं उन परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया और उन प्रशंसकों के लिए जो घायल हुए। उनकी हानि अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम एक साथ सावधानी, सम्मान और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे।

मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज खान पर डोपिंग के कारण 6 साल का बैन

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। भारतीय मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज खान को डोपिंग में पकड़े जाने और 12 महीने के भीतर तीन डोप टेस्ट मिस करने के चलते 6 साल का प्रतिबंध झेलना होगा। पिछले साल परवेज ने अमेरिकी कॉलेजिएट एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था, लेकिन इसके तुरंत बाद पंचकूला (हरियाणा) में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट चैम्पियनशिप में उनके सैंपल में प्रतिबंधित दवा एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाई गई। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। ईपीओ एक ऐसी दवा है जो लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाती है और एथलीट्स की स्टैमिना बढ़ाने के लिए डोपिंग में इस्तेमाल की जाती है। मेडिकल क्षेत्र में इसका उपयोग कैंसर रोगियों के इलाज में किया जाता है। परवेज ने सैंपल बी की जांच नहीं करवाई और सैंपल ए की रिपोर्ट को ही स्वीकार कर लिया। इस अपराध के लिए सामान्य तौर पर 4 साल का प्रतिबंध लगता है। लेकिन इसके अलावा उन्होंने 12 मई, 10 जुलाई और 5 दिसंबर 2023 को तीन डोप टेस्ट भी मिस किए, जो अपने आप में दो साल का बैन लाता है। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) की एंटी-डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल (एडीडीपी) ने 6 अगस्त को दिए फैसले में कहा, खिलाड़ी का सैंपल ईपीओ पॉजिटिव पाया गया है।

ध्रुव जुरेल डेंगू के चलते दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। दलीप ट्रॉफी 2025 में सेंट्रल जोन के कप्तान ध्रुव जुरेल आगामी सेमीफाइनल से बाहर हो गए हैं जो 4 सितंबर से वेस्ट जोन के खिलाफ खेला जाना है। जुरेल क्वार्टरफाइनल में भी ग्रोइन इंजरी के कारण नहीं खेल पाए थे और अब उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना होगा। इस भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को डेंगू हो गया है। ये सेंट्रल जोन की टीम के लिए बहुत बड़ा झटका है।

जुरेल की जगह इस खिलाड़ी को मौका

सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने पुष्टि की है कि जुरेल को डेंगू हुआ है और सेमीफाइनल के लिए अक्षय वडकर को टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की जगह रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टरफाइनल में सेंट्रल जोन की अगुआई की थी। यह मैच ड्रॉ रहा था, लेकिन पहली पारी में बड़ी बढ़त के कारण उनकी टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही।

जुरेल के प्रथम श्रेणी करियर पर एक नजर

जुरेल हाल ही में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच द ओवल में खेला था। उन्होंने उस दौरान चोटिल ऋषभ पंत की जगह ली थी।

इंग्लैंड दौरे पर इंडिया-ए के लिए जुरेल का प्रदर्शन भी काफी प्रभावशाली रहा था। अब तक खेले गए 25 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 47.34 की औसत से 1,515 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 249 रन रहा है।

आखिरी बार यूपी टी-20 लीग में खेले थे जुरेल

जुरेल आखिरी बार यूपी टी-20 लीग में खेलते हुए नजर आए थे। वह गोरखपुर की टीम का हिस्सा थे। इसी तरह वह भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 5 टेस्ट की 8 पारियों में 1 अर्धशतक की मदद से 255 रन भी बना चुके हैं।

ऐसी है सेंट्रल जोन की टीम

जुरेल के अलावा कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी दलीप ट्रॉफी से हट गए हैं,क्योंकि वे एशिया कप के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे। सेंट्रल जोन की पूरी टीम

इस प्रकार है: रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वडकर, आर्यन जुइल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सूथार और खलील अहमद।

स्टैंडबाय खिलाड़ी: माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन और उपेंद्र यादव।

ट्राई सीरीज,अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हराया

जादरान-अटल ने 113 रन की साझेदारी की, राशिद,नूर और नबी ने लिए 2-2 विकेट

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। शारजाह में खेले गए ट्राई सीरीज टी-20 मैच में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हराया। अपने देश में हाल ही में हुई त्रासदी के बीच यह जीत अफगान खिलाड़ियों के लिए बेहद खास रही। टीम की जीत में बल्लेबाज इब्राहिम जादरान और सिदीकुल्लाह अतल की 113 रन की साझेदारी और फिर स्पिन गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। पाकिस्तानी टीम 9 विकेट के नुकसान पर 151 रन ही बना सकी।

जादरान और अतल के बीच 113 रन की साझेदारी : अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और चौथे ओवर तक अफगानिस्तान का स्कोर मात्र 18 रन था, जिसमें रहमानुल्लाह गुरबाज का विकेट भी शामिल था। इसके बाद जादरान (65 रन) और अतल (64 रन) ने मोर्चा संभाला। दोनों ने धीरे-धीरे पारी को आगे बढ़ाया। 14वें ओवर में सूफियान मुकीम के खिलाफ 20 रन बटोरकर दोनों ने अपनी साझेदारी को और मजबूत किया। यह 113 रन की साझेदारी अफगानिस्तान की टी-20 इतिहास में दूसरी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी बन गई। हालांकि, इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका।

अफगान स्पिनरों ने की बेहतर गेंदबाजी

170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। फजलहक फारूकी ने पहले ही ओवर में सैम अय्यूब को शून्य पर आउट किया। इसके बाद स्पिन तिकड़ी राशिद खान, नूर अहमद और मोहम्मद नबी ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया। पाकिस्तान 62 रन पर 2 विकेट खोने के बाद संभलता दिखा, लेकिन आठवें ओवर में मोहम्मद नबी ने फखर जमान (23) को आउट किया और यहीं से अफगानिस्तान की पकड़ मजबूत हो गई। इसके बाद नूर अहमद और राशिद खान ने मिलकर लगातार विकेट झटके और पाकिस्तान का स्कोर 82/6 कर दिया।

फहीम अशरफ ने लिए 4 विकेट

जहां एक ओर पाक गेंदबाज लगातार पिटते रहे, वहीं फहीम अशरफ ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने 4 ओवर में 4 विकेट लिए और 18 रन ही खर्च किए। उन्होंने अतल और जादरान जैसे सेट बल्लेबाजों को आउट कर पाकिस्तान को वापसी का मौका दिया। अफगानिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए।

जोकोविच 14 वीं बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

जिमी कोनर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली,03 सितम्बर 2025 (ए)। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच यूएस ओपन 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गए है। उन्होंने मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराया। यह उनका 14 वां यूएस ओपन सेमीफाइनल है। उन्होंने इस जीत के साथ जिमी कोनर्स के सबसे ज्यादा 14 बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वहीं,स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने भी सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। जहां उनका सामना जोकोविच से होगा।

जोकोविच ने बेटी तारा के लिए डांस किया : जोकोविच का यह कुल 53वां ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है। फ्रिट्ज के खिलाफ उनका अब तक का रिकॉर्ड 11-0 का हो गया है। मैच के दौरान उन्होंने दर्शकों की ओर से शोरगुल पर नाराजगी जताई, लेकिन अपनी लय बनाए रखी। जीत के बाद जोकोविच ने अपनी बेटी तारा के आठवें जन्मदिन पर खास अंदाज में डांस किया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना स्पेन के युवा स्टार अल्कराज से होगा। अल्कराज ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को सीधे सेटों में मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने लेहेका को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक कोई सेट नहीं गंवाया है।

बंद होगा शिल्पा शेट्टी का बैस्टियन रेस्टोरेंट:एक्ट्रेस हुई भावुक,कहा...एक युग का अंत होगा;धोखाधड़ी का आरोप लगने से सुर्खियों में हैं एक्ट्रेस

शिल्पा शेट्टी के पॉपुलर रेस्टोरेंट बैस्टियन को बंद किया जा रहा है। ये रेस्टोरेंट मुंबई के बांद्रा में स्थित है। एक्ट्रेस ने खुद ये घोषणा करते हुए इसे एक युग का अंत कहा है। शिल्पा शेट्टी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से बैस्टियन के बंद होने की घोषणा करते हुए भावुक अंदाज में लिखा है, इस गुरुवार एक युग का अंत होगा, जब हम मुंबई की सबसे आइकॉनिक डेस्टिनेशन्स में से एक बैस्टियन बांद्रा को अलविदा कहेंगे। यह वह जगह है जिसने हमें अनगिनत यादें, कभी न भूलने वालीं रातें और ऐसे पल दिए जिन्होंने शहर की नाइट लाइफ को आकार दिया। अब यह जगह अपना अंतिम पर्दा गिरा रही है। आगे एक्ट्रेस ने लिखा, इस लीजेंड्री जगह का सम्मान करने के लिए, हम अपने सबसे करीबी मेहमानों के लिए एक खास शाम का आयोजन कर रहे हैं, एक रात जो पुरानी यादों, एनर्जी और जादू से भरपूर होगी, जिसमें बैस्टियन द्वारा अब तक दी गई हर चीज का जश्न मनाया जाएगा। जब हम बैस्टियन बांद्रा को अलविदा कहेंगे, तो हमारी थर्सडे नाइट का खास आर्केन अफेयर इवेंट अगले हफ्ते बैस्टियन एट द टॉप में जारी रहेगा, जहां यह विरासत एक नए अध्याय और नए अनुभवों के साथ आगे बढ़ेगी। अपनी इस पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने रेस्टोरेंट के बंद होने का कारण नहीं बताया है। शिल्पा शेट्टी ने साल 2016 में रंजीत बिंद्रा के साथ मिलकर इस रेस्टोरेंट की शुरुआत की थी। ये जगह मुंबई नाइट लाइफ में काफी पॉपुलर थी। साल 2023 में इसे री-लोकेट किया गया था।

60 करोड़ की धोखाधड़ी के लगे हैं आरोप

अगस्त में मुंबई के एक बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर 60 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई है। दीपक कोठारी के मुताबिक, उनकी मुलाकात 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87% से ज्यादा शेयर थे। एक मीटिंग में तय हुआ कि शिल्पा और राज कुंद्रा की कंपनी को दीपक लोन देंगे। कंपनी के लिए 75 करोड़ रुपए का लोन मांगा था, जिस पर 12% सालाना ब्याज तय हुआ। दीपक कोठारी का आरोप है कि बाद में शिल्पा और कुंद्रा ने उनसे कहा कि लोन पर टैक्स की परेशानी आ सकती है, इसलिए इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में दिखाते हैं और हर महीने रिटर्न देंगे। अप्रैल 2015 में कोठारी ने करीब 31.95 करोड़ रुपए की पहली पेमेंट की। टैक्स से जुड़ी परेशानी जारी रहने पर सितंबर में दूसरी डील हुई और जुलाई 2015 से मार्च 2016 के बीच उन्होंने 28.54 करोड़ रुपए और ट्रांसफर किए। कुल मिलाकर उन्होंने 60.48 करोड़ रुपए दिए, साथ ही 3.19 लाख रुपए स्टांप ड्यूटी के रूप में चुकाए। कोठारी का दावा है कि अप्रैल 2016 में शिल्पा ने उन्हें पर्सनल गारंटी भी दी थी, लेकिन उसी साल सितंबर में उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद शिल्पा की कंपनी पर 1.28 करोड़ रुपए का कर्ज न चुकाने का मामला सामने आया। कोठारी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी।

विवेक ओबेरॉय के करियर की वो बड़ी फिल्म जिसे अजय देवगन ने किया था इनकार

विवेक ओबेरॉय एक बेहतरीन अभिनेता हैं और ये वो कई दफा पर्दे पर साबित भी कर चुके हैं। अभिनेता को भले ही बॉलीवुड में कभी सुपरस्टार का दर्जा नहीं मिला, लेकिन उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे दमदार किरदार निभाए हैं, जिनसे उनकी फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा हुआ। विवेक 49 साल के हो गए हैं। आइए उनकी उस ब्लॉकबस्टर फिल्म के बारे में जानें,जो अजय देवगन के ठुकराने के बाद उनके हाथ लगी थी।

कृष 3 में विलेन बनकर छा गए थे विवेक

आज से 12 साल पहले एक दमदार फिल्म ने सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर एकछात्र राज किया था। बाप-बेटे ने मिलकर ऐसी फिल्म बनाई थी, जिसने कमाई के मामले में तहलका मचा दिया था। फिल्म की धुआंधार कमाई से बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मच गया था। फिल्म का नाम था कृष 3। ये फिल्म साल 2013 में आई थी। इसमें प्रियंका चोपड़ा और ऋतिक रोशन लीड रोल में थे और विवेक ने खलनायक बनकर तबाही मचा दी थी।

अजय ने ये कहकर ठुकरा दी थी फिल्म

शायद ही आप इस बात से वाकिफ हों कि विवेक से पहले इस फिल्म का प्रस्ताव अजय देवगन को दिया गया था या कहें निर्माता-निर्देशक की पहली पसंद वो ही थे। हालांकि, अजय ने खलनायक काल का किरदार निभाने से इनकार कर दिया था। उन्हें कहानी पसंद थी, लेकिन ये अच्छा नहीं लगा कि फिल्म का हीरो ही दूसरे हीरो को मारे। लिहाजा अजय ने ये फिल्म ठुकरा दी और आखिरकार ये विवेक की झोली में जा गिरी।

खूंखार खलनायक बन विवेक ने दी थी सुपरहीरो को टक्कर

विवेक ने फिल्म में अपनी ऐसी खलनायकी दिखाई कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म रिलीज होते ही छा गई थी। कृष 3 विवेक ने एक खूंखार खलनायक काल का किरदार निभाया था, जो दुनिया को खतरनाक बीमारी की चपेट में लाकर तबाह करना चाहता है। काल बनकर पर्दे पर एंट्री करते ही विवेक ने पूरी महफिल लूट ली थी। फिल्म के क्लाइमैक्स में काल और कृष के बीच जबरदस्त लड़ाई देखने को मिली थी। ऋतिक की कृष बॉलीवुड की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में से एक है। इसकी शुरुआत साल 2003 में रिलीज कोई मिल गया से शुरू हुई थी। कृष 3 का निर्देशन किसी और नहीं, बल्कि ऋतिक के फिल्ममेकर पिता राकेश रोशन ने किया था। फिल्म के एक-एक विजुअल ने दिल जीत लिया था। इसके वीएफएक्स पर भी तगड़ा काम हुआ था। कृष 3 को 95 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था और भारत में इसने 245 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में संयुक्त पावर कंपनीज मुख्यालय भवन की रखी आधारशिला

छत्तीसगढ़ जीरो पावर कट स्टेट से अब मुफ्त बिजली की ओर:सीएम साय

रायपुर,03 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर सेक्टर-24 में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के संयुक्त मुख्यालय भवन का शिलान्यास किया। रजत जयंती वर्ष और गणेशोत्सव जैसे पावन अवसर पर सम्पन्न इस समारोह में उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और भवन का थ्री-डी मॉडल अनावृत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भवन अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता को नई ऊँचाई देगा, तीनों पावर कंपनियों के बीच समन्वय को मजबूत करेगा और उपभोक्ताओं को एक ही छत के नीचे सभी सेवाएँ उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मौल पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में सम्पन्न उनकी जापान और दक्षिण कोरिया यात्रा ने यह अनुभव कराया कि छत्तीसगढ़ अब वैश्विक स्तर की अधोसंरचना और कार्यसंस्कृति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। संयुक्त मुख्यालय भवन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन का निर्माण गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए, ताकि यह ऊर्जा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बने। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई उद्योग नीति के

छत्तीसगढ़ के हर नागरिक की मेहनत और भागीदारी का परिणाम : साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षीय यात्रा यह प्रमाण है कि जब संकल्प और संवेदनशीलता साथ चलें तो परिणाम ऐतिहासिक होते हैं। वर्ष 2000 में प्रदेश केवल 1400 मेगावाट बिजली उत्पादन करता था, आज यह क्षमता बढ़कर 30 हजार मेगावाट हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में 1320 मेगावाट क्षमता के नए संयंत्र का शुभारंभ इस उपलब्धि को और सुदृढ़ करने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यह प्रगति हर नागरिक के विश्वास, मेहनत और भागीदारी का परिणाम है।

अंतर्गत पावर सेक्टर में हाल ही में लगभग तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में 30 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली उत्पादन संभव होगा। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल प्रदेशवासियों को 24 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराएगी बल्कि पड़ोसी राज्यों की ज़रूरतें भी पूरी करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने छत्तीसगढ़ को मुफ्त बिजली की ओर तेजी से अग्रसर कर दिया है और अब दूरस्थ अंचलों तक इस योजना का लाभ पहुँच रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को राज्य निर्माण में उनके योगदान के लिए नमन किया। उन्होंने कहा कि लगभग 270 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह भवन ग्रीन एनर्जी आधारित होगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगा। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी,विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक अनुज शर्मा,विधायक इंद्र कुमार साहू, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संयुक्त मुख्यालय भवन 10,017 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में नौ मंजिला स्वरूप में निर्मित होगा। इसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड और पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के लिए तीन अलग-अलग टॉवर होंगे। 1300 कर्मचारियों की क्षमता वाले इस भवन में 210 सीटों का प्रेक्षागृह, कर्मचारियों के लिए जिम,दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग,मैकेनिकल स्टैक पार्किंग और ई-व्हीकल चार्जिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। यह भवन बीईई की पाँच सितारा और गृहा की फाइव स्टार ग्रीन रेटिंग मानकों के अनुरूप निर्मित होगा तथा भवन प्रबंधन प्रणाली से इसका संपूर्ण संचालन होगा। नवा रायपुर में बन रहा यह अत्याधुनिक भवन मंत्रालय, संचालनालय और पुलिस मुख्यालय के समीप होने से अंतर्विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ करेगा तथा प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊँचाई प्रदान करेगा।

पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे पर होगी कार्रवाई

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया फैसला

रायपुर,03 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है। पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे के बयान के बाद पार्टी में नाराज़गी का दौर शुरू हो गया है, जो अब संगठनात्मक कार्रवाई तक पहुंच चुका है। बुधवार को हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में चौबे के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में शामिल सभी पदाधिकारियों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत मौजूद थे। उन्होंने प्रदेश के सभी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों से फीडबैक लिया और अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।

क्या था बयान : पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जन्मदिन के अवसर पर कहा था कि जनता चाहती है कि कांग्रेस का नेतृत्व भूपेश बघेल करें। आने वाले समय में भी वही नेतृत्व करें। भाजपा के कुशासन और मोदी की गारंटी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ भूपेश बघेल ही लड़ सकते हैं। इस बयान ने पार्टी के भीतर हलचल मचा दी। इसे प्रदेश नेतृत्व और आलाकमान की नीति के खिलाफ माना गया। हालांकि विवाद बढ़ने पर चौबे ने यू-टर्न लिया। सूत्रों के अनुसार, सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित होने के बाद रविंद्र चौबे पर संगठन कोई ठोस कदम उठा सकता है।

रायपुर में ड्रग्स नेक्सस का खुलासा:टेक्नो पार्टियों में बिकते थे हेरोइन-चरस-एमडीएमए

रायपुर,03 सितम्बर 2025। राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक बड़े ड्रग्स नेक्सस का पर्दाफाश किया है। इस कड़ी में पकड़े गए ड्रग पैडलर नाव्या मलिक ने पुलिस रिमांड के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पूछताछ में सामने आया है कि राजधानी में होने वाली लगभग हर टेक्नो पार्टी और आफ्टर पार्टी में हेरोइन, चरस और एमडीएमए जैसी घातक ड्रग्स आसानी से उपलब्ध कराई जाती थी। नाव्या ने पुलिस को बताया कि ड्रग्स खरीदने के लिए बाकायदा क्लब मेम्बरशिप सिस्टम बनाया गया था। इसके लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने पड़ते थे और फिर पासवर्ड या कोड के जरिए क्लब मेंबर को नशे का सामान मुहैया कराया जाता था। इस तरह राजधानी में एक संगठित गैंग लंबे समय से काम कर रहा है। रसूखदारों के नाम दबाने का दबाव सूत्रों के मुताबिक, इस ड्रग्स नेक्सस में कई बड़े रसूखदारों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस पर कथित तौर पर दबाव है कि इन नामों को सार्वजनिक न किया जाए। यही वजह है कि अब तक केवल कुछ ही लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि नेटवर्क काफी बड़ा बताया जा रहा है। रिमांड पर चल रही पूछताछ गंज थाना पुलिस ने नाव्या मलिक और उसके प्रेमी अयान परवेज को हिरासत में लेकर कोर्ट से रिमांड पर लिया है। दोनों से लगातार पूछताछ जारी है।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग में वार्ड ब्वॉय और वार्ड आया के 100 पदों पर भर्ती

रायपुर,03 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने वार्ड ब्वॉय और वार्ड आया के कुल 100 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन पदों के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा 12 अक्टूबर को परीक्षा आयोजित की जाएगी. इच्छुक उम्मीदवार 24 सितंबर को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी का विवरण

कुल पद 100, वार्ड ब्वॉय 50 पद (केवल पुरुष उम्मीदवारों के लिए), वार्ड आया: 50 पद (केवल महिला उम्मीदवारों के लिए) इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास रखी गई है, जिससे बड़ी संख्या में आवेदन आने की उम्मीद है. यह भर्तियां राज्य के विभिन्न अस्पतालों, जैसे कि राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी बिलासपुर, कांकेर, कोंडागांव, सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया और जशपुर के लिए हैं।

गणेश विसर्जन के दौरान हादसे को लेकर मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा शोक

जशपुर,03 सितंबर । जशपुर जिले के जुरुडांड, बगीचा में गणेश विसर्जन की झांकी के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मृत्यु तथा कई अन्य के घायल होने की दुखद खबर सामने आई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घायलों की समुचित चिकित्सा एवं आवश्यक मदद के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुःखद घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार मृतकों के परिजनों एवं घायलों के साथ खड़ी है।

संवाद 45017/53

डीएमएफ से खरीदी घोटाले में संलिप्तता पर कृषि कारोबारियों के 18 ठिकानों पर हुई छापेमारी

प्रदेश भर में डीएमएफ से अरबों रूपये खर्च किये गए कृषि उपकरणों की खरीदी में

रायपुर,03 सितम्बर 2025। ईडी ने बुधवार सुबह राजधानी समेत पड़ोस के जिलों में कुल 18 ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, राजिम भी शामिल हैं। ये सभी कृषि व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी है। इस दौरान खुलासा हुआ कि डीएमएफ की रकम से अनाप-शनाप दर पर की गई कृषि उपकरणों की खरीदी के मामले में ईडी ने यह छापेमारी की है।

इनके यहां मारे गए छापे

छापे की कार्रवाई तड़के 5 बजे शुरू हुई। रायपुर में शंकर नगर चौपाटी के पास रहने वाले विनय गर्ग, ला विस्टा अमलीडीह निवासी पवन पोद्दार, शांति नगर भिलाई के विवेकानंद कॉलोनी निवासी सीए आदित्य किशन दिनोदिया, भिलाई-3 वसुंधरा नगर निवासी शिवकुमार मोदी, राजिम के उगमराज कोठारी नामक कारोबारी के घर ऑफिसों में दबिश दी। 3-4 टीमों में ईडी अफसर सशस्त्र सुरक्षा जवानों के साथ इनोवा से पहुंच सुबह 6 बजे सभी ठिकानों को घेरा। हर टीम में 6-8 अफसर-जवान शामिल रहे। ईडी की टीम मोदी के अन्न भूमि ग्रीनटैक प्रालि और मोदी के रायपुर स्थित ऑफिस में भी जांच कर रही है। ला विस्टा निवासी पवन पोद्दार मूलतः ओडिशा के हैं। दो बेटों के परिवार के साथ हाउस नंबर 9 (सुखशरण) में विगत 12-15 वर्ष से रह रहे हैं। इनका कृषि सप्लाई का बड़ा कारोबार बताया गया है। उगमराज कोठारी के राजिम-महासमुंद रोड स्थित दुकान और साथ लगे घर में भी जांच चल रही है।

प्रारंभिक जानकारी अनुसार यह छापेमारी कृषि उपकरण सप्लाई में जिला खनिज निधि (डीएमएफ) राशि के अनाप-शनाप खर्च को लेकर की गई है। इसके तार कृषि बीज विकास निगम से हुई खरीदी से जुड़े हैं। इसमें बोर्ड के प्रस्ताव सिफारिश पर जिलों में डीएमएफ से एक बड़ी गिरोहबाजी के साथ आर्डर सप्लाई की गई थी।

रानू साहू के संचालक एग्रीकल्चर रहते हुए घोटाले की जांच

कोल लेवी मनी लांड्रिंग और डीएमएफ घोटाले में आरोपी निलंबित आईएएस रानू साहू के एग्रीकल्चर के संचालक के कार्यकाल के दौरान हुई खरीदी सप्लाई से जुड़ा बताया जा रहा है। उस दौरान विनय गर्ग और उनके सहयोगियों ने कोरबा, जांजगीर-चांपा सहित कई अन्य जिलों में पेस्टीसाइड, कृषि उपकरण और अन्य कृषि सामग्री सप्लाई का काम किया था। इस पूरे मामले में ईडी ने कृषि विभाग के कई अफसरों से पूछताछ की थी। डीएमएफ की राशि से ज्यादातर जिलों में कृषि सामग्री की खरीद हुई थी। जानकारी आ रही है कि शंकर नगर में जांच कर रही ईडी की टीम के अफसर कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर दफ्तर लौट आए हैं। इसके अलावा शाम तक सभी टीमें सभी ठिकानों पर जांच में लगी हुई थीं।

सीएम विष्णु देव साय की पहल से आत्मसमर्पित नक्सलियों को मिला रायपुर भ्रमण का अवसर

नारायणपुर,03 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा राज्य के विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजनांतर्गत नियद नेल्लानार के युवाओ को शैक्षणिक व बौद्धिक रायपुर भ्रमण योजना शुरू की गई है। इसी क्रम में 2 सितम्बर को जिले के 100 आत्मसमर्पित माओवादियों को रायपुर भ्रमण हेतु बिरेन्द्र बहादुर पंचभाई, एडीएम डॉ. सुमित गर्ग, एसडीएम ओरछा, उप संचालक पंचायत विक्रम बहादुर ने हरी झंडी दिखाकर नारायणपुर से निमोरा रायपुर के लिए बस द्वारा रवाना किया। 03 एवं 04 सितम्बर को रायपुर में विशेष वाहन में रायपुर भ्रमण करवाया जाएगा। आत्मसमर्पित माओवादियों ने इस योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि सुदूर अंचल और अंधकारमय जीवन से निकलकर हमें रायपुर में विभिन्न स्थानों का भ्रमण करने का सौभाग्य मिलेगा।

आत्मसमर्पित नक्सलियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना से रायपुर भ्रमण करने का सपना पूरा हो रहा है। योजना के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए पूरा पैकेज प्रदान किया जा रहा है, जिसमें यात्रा, ठहरने, कपड़े, बैग, जूता और भोजन की व्यवस्था शामिल है। इसके अलावा भ्रमण के दौरान सुरक्षा कर्मीए टूर एस्कॉर्ट और चिकित्सकों का दल भी साथ रहेगा। इस अवसर पर नोडल अधिकारी सह जिला रोजगार अधिकारी एम.एल. अहिरवार भी उपस्थित थे।

मेडिकल प्रवेश में फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र को लेकर उठा विवाद गहराया

जानिए छात्राओं के परिजनों ने क्या बयान दिया..?

बिलासपुर,03 सितम्बर 2025। फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र विवाद अब और गहराता जा रहा है। जिन छात्राओं को प्रमाणपत्र जारी हुआ था,उन्होंने और उनके परिजनों ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने नियमित प्रक्रिया का पालन करते हुए तहसील में आवेदन किया था और उसी के बाद ही उन्हें प्रमाणपत्र जारी किया गया। उनका कहना है कि अगर किसी स्तर पर हेराफेरी हुई है तो वह तहसील कार्यालय के भीतर हुई होगी।

तीनों छात्राओं ने इस मामले में तहसील पहुंचकर बयान भी दर्ज करवाए हैं। अब तहसील दफ्तर की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है और वहां की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े हो गए है।

विधिवत तरीके से ऑनलाइन किया था आवेदन

मेडिकल एडमिशन के लिए जारी फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र मामले ने नया मोड़ ले लिया। तहसीलदार के सामने तीनों आवेदक और उनके परिजनों ने अपने बयान दर्ज कराए। उनका कहना था कि प्रमाणपत्र उन्होंने ऑनलाइन आवेदन के बाद नियमपूर्वक हासिल किया था और यह तहसील से ही जारी हुआ।

छत्तीसगढ़ के 192 शहरों ने भेजा अपना प्लान

5 साल में सड़क व नाली,ऑडिटोरियम जैसे 40 हजार होंगे काम

रायपुर,03 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के 192 नगर निकायों ने पहली बार 5 साल के लिए अपना सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार किया है। इसमें 40 हजार से ज्यादा कामों की लिस्ट है, जिन पर करीब 16 हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। अकेले बिलासपुर संभाग से 54 निकायों ने 10 हजार 146 कामों के लिए 3359 करोड़ रुपए का प्लान नगरीय प्रशासन विकास विभाग को भेजा है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने मांगा था अगले पांच साल का मास्टर प्लान : दरअसल, पहली बार नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगर निगम,नगर पालिका और नगर पंचायतों से अपने-अपने क्षेत्र के लिए अगले पांच साल का मास्टर प्लान मांगा था। इस योजना के तहत 192 में से प्रत्येक निकाय ने अपने क्षेत्र में जरूरी बुनियादी ढांचे की पहचान की और उसके लिए प्रस्ताव तैयार किया। सबसे ज्यादा फोकस शहरी बुनियादी सुविधाओं पर है,जिसमें सड़क निर्माण,नाला-नाली सुधार, बिजली व्यवस्था,स्वच्छता,पेयजल आपूर्ति, सार्वजनिक भवन,तालाबों का सौंदर्यीकरण और सामुदायिक संसाधनों का विकास जैसे काम शामिल हैं। कामों की श्रेणी देखें तो इसमें छोटे-छोटे शहरी सुधार कार्यों से लेकर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तक शामिल हैं। उदाहरण के लिए मिनी स्टेडियम,खेल मैदान, हाट-बाजार, ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, सामुदायिक भवन, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी),ओपन जिम, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट,रेन वाटर हार्वेस्टिंग को भी जोड़ा गया है। नगरीय प्रशासन विकास विभाग के सचिव बसव राजू एस ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि,प्रदेश के 192 निकायों के लिए 5 साल का सिटी डेवलपमेंट प्लान बनाया गया है। निकायों ने प्लान और प्रस्तावित राशि की सूची सौंपी है। कार्यों के लिए फंड जारी किए जा रहे हैं। पांच साल तक इसके अनुसार शहरों के विकास तो होंगे ही, साथ ही ये सीडीपी जरूरत के अनुसार अपडेट भी होंगे।

छत्तीसगढ़ में मंत्रियों की संख्या पर हाईकोर्ट ने फैसला टाला

सुप्रीम कोर्ट में लंबित है मामला..अंतिम फैसला वहीं से आना चाहिए...

बिलासपुर,03 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में 14 मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता वासुदेव चक्रवर्ती ने याचिका में दावा किया कि संविधान के अनुच्छेद 164 (1ए) के तहत 90 सीटों वाली विधानसभा में अधिकतम 13 मंत्री ही हो सकते हैं, लेकिन मौजूदा सरकार में 14 मंत्रियों की नियुक्ति असंवैधानिक है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की खंडपीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक समान मामले का अध्ययन करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया। अगली सुनवाई इसके बाद होगी। याचिका में सामान्य प्रशासन विभाग, मुख्यमंत्री और सभी 14 मंत्रियों को पक्षकार

बनाया गया है। राज्य सरकार ने दलील दी कि मंत्रिमंडल की संख्या से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह सरकार के समय से लंबित है। सरकार के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेज पेश करते हुए कहा कि यह मामला अभी विचाराधीन है और अंतिम फैसला वहीं से आना चाहिए। दूसरी ओर, याचिकाकर्ता ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट का मामला खारिज हो चुका है, लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया कि 22 जुलाई 2020 को इसकी आखिरी सुनवाई हुई थी और यह अभी भी लंबित है।

चीफ जस्टिस ने कहा कि कोर्ट इस मामले में तुरंत फैसला सुना सकता था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण अंतिम निर्णय वहीं से होना उचित होगा। बता दें कि, पिछली सुनवाई में कोर्ट ने याचिकाकर्ता से सामाजिक कार्यों का शपथपत्र मांगा था।

शिक्षक दिवस पर 64 शिक्षक होंगे राज्यपाल सम्मान से सम्मानित

बिलासपुर,03 सितम्बर 2025। शिक्षक दिवस (5 सितम्बर) 2025 के अवसर पर प्रदेश के 64 शिक्षकों को राज्यपाल शिक्षक सम्मान पुरस्कार 2024-25 से नवाजा जाएगा। चयनित शिक्षकों को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चयनित शिक्षकों में प्राचार्य, प्रधान पाठक, व्याख्याता और सहायक शिक्षक सहित विभिन्न श्रेणियों के शिक्षक शामिल हैं।

वहीं राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए प्रदेश से दो शिक्षकों का चयन हुआ है। इसमें दुर्ग जिले के हनोदा स्थित सरकारी मिडिल स्कूल की शिक्षिका डॉ. प्रज्ञा सिंह और कोरबा जिले के नवोदय विद्यालय में कार्यरत संतोष चौरसिया का नाम शामिल है।

पूर्व प्रधानाचार्य ने 10 लाख का गबन कर स्कूल को लगाया बड़ा चुना

2 साल से फरार आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

बिलासपुर,03 सितम्बर 2025। जिले के पचपेड़ी थाना क्षेत्र से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने शिक्षा जगत और स्थानीय प्रशासन दोनों को हिला कर रख दिया है। मामला पचपेड़ी के ग्राम सोन लोहरसी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर का है, जहां के पूर्व प्रधानाचार्य ने स्कूल प्रबंधन को करीब 10 लाख रुपये का चूना लगा दिया। आरोपी पूर्व प्रधानाचार्य का नाम उमेश कुमार दुबे है, जो पिछले दो साल से फरार है। जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला साल 2023 का है। स्कूल में कार्यरत शिक्षकों ने जब नए प्रधानाचार्य से कई महीनों तक तनख्वाह नहीं मिलने की शिकायत की, तब इस गड़बड़ी का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि

शिक्षकों की तनख्वाह का भुगतान करने के लिए जो राशि स्कूल प्रबंधन की ओर से भेजी जाती थी, उसे तत्कालीन प्रधानाचार्य उमेश दुबे अपने निजी खाते में ट्रांसफर कर लेता था। इतना ही नहीं, उसने बच्चों के परिजनों से जमा की गई फीस की राशि भी फर्जी रसीद काटकर हड़प ली। गबन का तरीका आरोपी प्रधानाचार्य ने बड़े ही सुनियोजित तरीके से यह धोखाधड़ी की। बताया जाता है कि स्कूल प्रबंधन और समिति के पास भेजे जाने वाले रिकॉर्ड में उसने फर्जी हिसाब-किताब प्रस्तुत किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)